सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

Title Code : DELHIN28985.
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

वर्ष 01, अंक 230, नई दिल्ली | बुधवार, 01 नवम्बर 2023, मूल्य ₹ 5, पेज 8

आज का सुविचार

रिश्ते और पतंग जितनी ऊँचाई पर होते हैं, काटने वालो की संख्या उतनी अधिक होती हैं ।

गडकरी ने असम सहित पूर्वोत्तर को दी 17,500 करोड़ रुपये की 26 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं की सौगात

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने कहा, एनएच-37 दिमा हसाओ क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ाएगा और पश्चिमी मणिपुर के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा। पाइकन से गुवाहाटी हवाईअड्डा खंड जोगीघोपा में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की सुविधा प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, नए पुलों के निर्माण से भीड़भाड़ कम होगी और क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक प्रगति बढ़ेगी...

संजय बाटला, सम्पादक

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री, नितिन गडकरी ने मंगलवार असम सहित पूर्वोत्तर को बड़ी सौगात दी। उन्होंने गुवाहाटी में 17,500 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ 26 राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इस अवसर पर केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह, असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा, राज्य कैबिनेट मंत्री, संसद सदस्य, विधायक और एनएचआईडीसीएल अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस दौरान केंद्रीय मंत्री ने कहा, डिब्रूगढ़-तिनसुकिया-लेडो परियोजना का उद्देश्य ऊपरी असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच अंतरराज्यीय कनेक्टिविटी को बढ़ाना, रणनीतिक उपस्थिति को बढ़ावा देना और व्यापार और पर्यटन को बढ़ावा देना है। सिलचर से लैलापुर खंड बराक घाटी को मिजोरम से जोड़ेगा, जिससे सामाजिक-आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलेगा। धेमाजी जिले में एनएच-515 उत्तरी असम और अरुणाचल प्रदेश के बीच

कनेक्टिविटी में सुधार करेगा।

उन्होंने कहा, एनएच-37 दिमा हसाओ क्षेत्र में कनेक्टिविटी बढ़ाएगा और पश्चिमी मणिपुर के लिए एक वैकल्पिक मार्ग प्रदान करेगा। पाइकन से गुवाहाटी हवाईअड्डा खंड जोगीघोपा में मल्टी-मॉडल लॉजिस्टिक्स पार्क की सुविधा प्रदान करेगा। इसके अतिरिक्त, नए पुलों के निर्माण से भीड़भाड़ कम होगी और क्षेत्र में व्यापार, पर्यटन और सामाजिक-आर्थिक प्रगति बढ़ेगी।

इस मौके पर असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने केंद्रीय मंत्री से काजिरंगा नेशनल पार्क के लिए एक एलिवेटिड रोड बनाने की मांग रखी। ताकि वहां पर दुर्घटना से पशुओं को बचाया जा सके। इसके साथ ही उन्होंने गुवाहाटी के लिए एक रिंग रोड़ बनाने की भी मांग की। उन्होंने नुमलीगढ़ से गहपुर तक उत्तर और दक्षिण असम को जोड़ने के लिए एक टनल बनाने की मांग की भी मांग की।

advertisement Tariff
w.ef. 1st January 2023

परिवहन विशेष

दिल्ली, एनसीआर से प्रसारित लोकप्रिय साप्ताहिक हिन्दी समाचार पत्र

in Rs. / Sq. Cm.

	Basic	3rd Page	Back Page	Front Page Semi Solus	Fornt Page Solus
Delhi Aur Delhi	BW - Colour	Colour	Colour	Colour	Colour
Delhi	100*	200*	250*	300	300

Special Instructions:-

- Innovation on any page will be accepted at a premium of 100% on applicable card rate.
- Any specified position will be accepted at a premium of 25% on applicable card rate.
- B/W advertisement on page 3/Back will charged at colour rate.
- Classified display advertisement will be charged on basic display rate.
- Pointers 4x4 sq. C. or 5x4 sq. cm. will be charged as per card rate.
- box reply charges (each box) will be charged Rs. 150/-
- Political advertisement - as applicable.

परिवहन विशेष में विज्ञापन के लिए ऑनलाईन भुगतान सीधे बैंक खाते/फ़ोन पे पर कर सकते हैं और विज्ञापन के मैटर के साथ ऑनलाईन भुगतान की रसीद व्हाट्सऐप नंबर 09212122095 या newstransportvishesh@gmail.com पर भेज सकते है। भुगतान करने के लिए *NEFT / IMPS / RTGS*
Account Name:-Transport Vishesh Limited
IFSC CODE :- INDB0001396
Cur Account no :- 259212122095
या Phone pay :- 9212122095

प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार सख्त, बीएस तीन और बीएस चार डीजल बसों की एंट्री पर से आज से रोक

परिवहन विशेष न्यूज

वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक, सीएनजी और बीएस-छह के अनुपालक डीजल बसों को संचालित किया जाएगा। इस आदेश का असर दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ शहरों के बीच देखने को मिल सकता है।

नई दिल्ली। राजधानी में बढ़ते वायु प्रदूषण से निपटने के लिए सरकार सख्त रुख अपना रही है। इसे देखते हुए दिल्ली में आज से एनसीआर से दिल्ली आने वाली बीएस-तीन और बीएस चार डीजल बसों की एंट्री में रोक रहेगी। ऐसे में इसका असर यात्रियों की सुविधा पर दिखने को मिल सकता है।

वायु प्रदूषण की रोकथाम के लिए दिल्ली में केवल इलेक्ट्रिक, सीएनजी और बीएस-छह के अनुपालक डीजल बसों को संचालित किया जाएगा। इस आदेश का असर दिल्ली, हरियाणा, उत्तर प्रदेश और राजस्थान के कुछ शहरों के बीच देखने को मिल सकता है।

वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने घोषणा करते हुए कहा था कि एक नवंबर से केवल इलेक्ट्रिक, सीएनजी और बीएस छह-अनुपालक डीजल बसों को संचालित करने की

अनुमति दी जाएगी। बता दें यह नियम निजी बसों में भी लागू होगा।

परिवहन विभाग के मुताबिक उत्तर प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, राजस्थान परिवहन विभाग की प्रतिदिन कई बसें चलती हैं। वहीं, निजी बसें भी रोजाना हजारों की संख्या में चलती है। ऐसे में निजी बस मालिकों ने इस नियमों को लेकर विरोध जताना शुरू कर दिया है। बस मालिकों का कहना है कि प्रदूषण में सबकी भागीदारी है, ऐसे में केवल बसों पर प्रतिबंध लगाना उचित नहीं है।

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे के अतिक्रमण पर चलेगा बुलडोजर डेढ़ दशक से रह रहे हजारों परिवार हो जाएंगे बेघर

परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे किनारे कब्जों का सफाया शुरू होने वाला है। एक्सप्रेस-वे किनारे आगरा नहर है। नहर किनारे सिंचाई विभाग की काफी जमीन पर कब्जा है। यहां कई साल से बड़ी संख्या में झुग्गी हैं। अब सिंचाई विभाग सफाया शुरू करने जा रहा है।

फरीदाबाद। निर्माणाधीन दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेस-वे किनारे कब्जों का सफाया शुरू होने वाला है। एक्सप्रेस-वे किनारे आगरा नहर है। नहर किनारे सिंचाई विभाग की काफी जमीन पर कब्जा है। यहां कई साल से बड़ी संख्या में झुग्गी हैं। अब सिंचाई विभाग सफाया शुरू करने जा रहा है।

आज से अभियान शुरू किया जाएगा। सेक्टर-29 से लेकर खेड़ीपुल तक बुरा हाल है। एक्सप्रेस-वे का काम 75 प्रतिशत से अधिक काम हो चुका है। अगले साल मार्च से पहले एक्सप्रेस-वे चालू किया जाना है।

PMO करेगा निगरानी

बाईपास पर वैसे तो डेढ़ दशक से झुग्गीवासियों का राज चल रहा है। यहां इनकी पूरी बस्ती है। सेक्टर-17 में प्रेम नगर बस्ती में हजारों झुग्गी हैं। इसके अलावा 26 किलोमीटर बाईपास पर जगह-

जगह कई बस्ती हैं। हरियाणा विकास प्राधिकरण के अधिकारी इस ओर बिल्कुल भी ध्यान नहीं दे रहे। अब इसमें पीएमओ ने निगरानी शुरू कर दी है।

एक्सप्रेस-वे के निर्माण की गति कर दी थी धीमी

झुग्गीवासियों ने एक्सप्रेस-वे निर्माण में खूब बाधा पैदा की थी। इस वजह से एक्सप्रेस-वे का काम शुरू होने में देरी हुई। प्राधिकरण की टीम ने एक्सप्रेस-वे की राह में आ रही झुग्गी को हटा दिया, लेकिन ये लोग कहीं और नहीं गए। बल्कि पीछे हटकर झुग्गी डाल ली हैं। यहां भी प्राधिकरण की ही जमीन है। समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया।

इसलिए अब यहां सैकड़ों झुग्गी हैं। सेक्टर-आठ और बड़ौली के सामने एक दशक से झुग्गीवासियों का सरकारी जमीन पर कब्जा है। काफी लोग बाहर खाट पर सामान बेचते हैं। इनके बच्चे बाईपास पर खेलते रहते हैं। कभी-भी दुर्घटना हो सकती है।

तबाह की ग्रीनबेल्ट

बाईपास किनारे ग्रीनबेल्ट को झुग्गीवासी तबाह कर चुके हैं। छोटे-बड़े पेड़-पौधे बर्बाद हो चुके हैं। झुग्गी के आसपास काफी गंदगी रहती है। कबाड़ पड़ा रहता है। जलभराव रहता है। बाईपास की सुंदर पर झुग्गी दाग हैं। सिंचाई विभाग के एसडीओ राकेश कुमार ने बताया कि जल्द सभी झुग्गी का सफाया कर दिया जाएगा।

महिला बस मार्शलों का धरने पर ही करवा चौथ

परिवहन विशेष न्यूज

एसडी सेठी। दिल्ली सिविल डिफेंस बस मार्शलों का धरना-प्रदर्शन दिल्ली सचिवालय पर जारी है। बडी संख्या में महिला बस मार्शल समेत पुरूष जवान दिन रात धरना-प्रदर्शन को जमाए हुए है। लेकिन उपराज्यपाल समेत दिल्ली सरकार के मुख्यमंत्री से लेकर तमाम जिम्मेवार सरकारी ऐजेंसिंया मार्शलों के बकाया 5 महीने के मेहनताने पर तमाशबीन बने हुए हैं। बडी संख्या में महिलाए अपना घर छोडकर रातभर सडक को बिछोना बनाकर आस पर डटी हुई हैं।उन्हें अब भी उम्मीद है कि सरकार बस मार्शलों के भूखे, पेट, दूध को तरस्ते नौनिहालों और उधार की जिंदगी जीने को मजदरों पर रहम करेगी। और उनका छीना गया रोजगार उन्हें वापस लौटायेगी महिला बस मार्शल सुहागिनों के सबसे बडे त्यौहार करवाचौथ को सडक पर ही मनाने को मजबूर है। सर्द वीरान रातों को वह सडक पर ही गुजार रही है। सभी सुहागिन मार्शल एक दूसरे की हथेलियों में मेहंदी लगाकर अपने सुहाग की सलामती के लिए व्रत तो कर ही रही हैं, साथ ही उनकी शपथ भी है कि जब तक दिल्ली सरकार उनके रोजगार को सुरक्षित नहीं करती है उनका संघर्ष जारी रहेगा। इस बावत दिल्ली महिला आयोग की अध्यक्ष स्वाति मालीवाल को भी इन बेबस बस मार्शलों की सुध लेनी चाहिए।

टैंपल'स ऑफ लिबरलाइजेशन एंड वेलफेयर एलाइड ट्रस्ट

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन 60 विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण रजिस्टर्ड

कार्यालय :- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063, कॉरपोरेट

कार्यालय :- 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

महिला अग्निवीर भी सेना में उठा सकती हैं हथियार

परिवहन विशेष।एसडी सेठी।
भारतीय सेना में पुरूष युवाओ के बाद महिला अग्निवीर भी जवानों के तौर पर शामिल करने का प्रस्ताव दिया गया है।अब महिलाओ का कद बढाए जाने की तैयारी है।

इस हिसाब से साफ है कि महिला अग्निवीर भी जल्द ही उठा सकती है हथियार। जून 2022 से ही भारतीय सशस्त्र बलों में अग्निपथ योजना के तहत भर्तियां जारी है। डिफेंस के आंकडों के मुताबिक फिलहाल भारतीय सैन्य सेवाओं में करीब 1700 महिला अधिकारी है। उल्लेखनीय है कि भारतीय सेना के तीन वर्ग है। भारतीय सेना में टुकड़ियों को उनकी भूमिका और काम के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा जाता है।इनमें स्थल सेना, हथियार बंद ,और मशीनीकृत पैदल सेना शामिल है। काम्बैट स्पोर्ट आर्म्स (तोपखाने ,इंजीनियर, हवाई सुरक्षा,सैन्य,विमानन,और सैन्य खुफिया व्यवस्था शामिल है। वहीं आर्मी सर्विसेज कॉरपस,आर्मी आर्डिनेन्स, इलेक्ट्रिकल एंड मेकेनिकल इंजीनियर्स और आर्मी मेडीकल कारपस इसका हिस्सा है। मीडिया रिपोर्ट सूत्रों के मुताबिक महिलाओ को जवानों के तौर पर नियुक्त करने का प्रस्ताव अंतिम चरण में है। सूत्र के मुताबिक भर्तियां पहले सर्विसेज से शुरू होगी।बाद में विस्तार कॉम्बैट स्पोर्ट आर्म्स में किया जाएगा। भारतीय सेना में 10 लाख से ज्यादा जवान है।अब तक सेना में महिलाओ को सैनिक स्तर पर सैन्य पुलिस कौर में शामिल किया है। हालांकि भारतीय वायू सेना ने जून 2016 में ही भारतीय वायुसेना में महिलाओ की लडाकू भूमिका में नियुक्ती की शुरूआत कर दी थी।उस दौरान वायुसेना में तीन महिला अधिकारी लडाकू पायलट के तौर पर शामिल हुई थी। अब तक इंडियन एयरफोर्स में 15 लडाकू पायलट सेना में शामिल हो चुकी है। उधर दिसंबर 2022 में नौसेना ने भी महिला अधिकारियों के लिए सभी सेवाओ में रास्ते खोल दिए थे। उल्लेखनीय है कि अब तक भारतीय नौसेना में 28 महिला अधिकारियों की जहाजों पर तैनाती की है।इसके अलावा महिलाओ को नौसेना के विमानों और हेलीकाप्टरों पर भी लडाकू भूमिका में तैनात किया है।

भगवान विष्णु का प्रिय माह माना जाता हैं.. शरद पूर्णिमा के बाद कार्तिक मास का आरंभ हो जाता है. कार्तिक मास के दौरान भगवान विष्णु के साथ मां लक्ष्मी और तुलसी की पूजा करना बहुत शुभ माना जाता है. : श्री श्री बरखा कुमारी उर्फ राधेश्याम

भगवान विष्णु का कार्तिक मास सबसे खास महीना माना जाता है. इसी महीने से भगवान विष्णु योग निद्रा से जाग जाते हैं. भगवान विष्णु देवोत्थान एकादशी दिन चार महीने की निद्रा से जाग जाते हैं. कार्तिक मास के दौरान स्नान-दान का भी विशेष महत्व माना जाता है. मान्यता है कि इस मास में पवित्र नदियों का स्नान करने के साथ दान करने से कई गुना अधिक पुण्य की प्राप्ति होती है. इसके साथ ही कुंडली में ग्रहों की स्थिति मजबूत होती है. साथ ही जिन के आस पास अगर कोई पवित्र नदी न हो तो सूर्य उदय से पहले घर मैं ही स्न्नान कर पूजा कर सकते है.

इस साल कार्तिक माह 29 अक्टूबर 2023 से शुरू हो रहा है. इसका समापन कार्तिक पूर्णिमा पर 27 नवंबर 2023 को होगा. कार्तिक माह में तप और व्रत का माह है, इस माह में भगवान की भक्ती और पूजा अर्चना करने से मनुष्य की सारी इच्छाएं पूर्ण होती हैं.

कार्तिक माह में स्नान का महत्व

मासानां कार्तिकरू श्रेष्ठो देवानां मधुसूदन।
तीर्थं नारायणाख्यं हि त्रितयं दुर्लभं कलौ।।

अर्थ – स्कंद पुराण में लिखे इस श्लोक के अनुसार, भगवान विष्णु और विष्णु तीर्थ के समान ही कार्तिक माह भी श्रेष्ठ और दुर्लभ है.

कार्तिक पूर्णिमा के दिन महादेव ने त्रिपुरासुरों राक्षस का वध किया था और भगवान विष्णु ने मत्स्यावतार लिया था. कार्तिक महीने में भगवान विष्णु मत्स्यावतार लेकर जल में रहते हैं. ऐसे में कार्तिक के पूरे महीने सूर्योदय से पूर्व नदी या तालाब में स्नान करने और दान करने से बैकुंठ लोक की प्राप्ति होती है. वह पाप मुक्त हो जाता है. कहते हैं स्वंय देवतागण भी कार्तिक माह में गंगा में स्नान करने धरती पर आते हैं.

कार्तिक मास में तुलसी पूजन

कार्तिक मास में भगवान विष्णु की पूजा करने के साथ तुलसी के पोधे का पूजन करना भी लाभकारी माना जाता है. इस पूरे महीने में तुलसी को जल देने के बाद शाम के समय घी का दीपक जलाने की परंपरा है. मान्यता है कि ऐसा करने से भगवान विष्णु के साथ माता लक्ष्मी भी प्रसन्न होती है. इसके साथ ही इसी मास में तुलसी विवाह होता है. जिसमें तुलसी और शालिग्राम का विधि-विधान से विवाह कराया जाता है.

कार्तिक मास का महत्व

भगवान विष्णु के प्रिय माह में से एक कार्तिक मास हिंदू धर्म में काफी महत्वपूर्ण माना जाता है. इस माह से देव तत्व मजबूत होता है. इस मास में भगवान विष्णु के साथ तुलसी पूजा करना फलदायी माना जाता है. इसके अलावा इस माह गंगा स्नान, दीप दान, यज्ञ, दान आदि करने से हर कष्ट से छुटकारा मिल जाता है. इस पूरे में दिवाली, छठ पूजा, धनतेरस, कार्तिक पूर्णिमा जैसे व्रत त्योहार पड़ते हैं.

करवा चौथ: सरगी में लें ये 3 चीजें, दिन भर नहीं लगेगी प्यास, रहेंगी हाइड्रेट, बता रहे हैं डॉ. कालरा

करवा चौथ पर सुबह क्या चीजें खाएं कि पूरे दिन न लगे भूख प्यास न हों बैचैन.. बता रहे हैं डॉ. कालरा.

करवा चौथ का व्रत इस बार बुधवार यानि 1 नवंबर को मनाया जा रहा है. इस दिन सुहागिन स्त्रियां अपने पति की लंबी आयु और उत्तम स्वास्थ्य की कामना लिए अन्न-जल त्याग कर व्रत करेंगी. हालांकि सुबह से भूखी-प्यासी रहकर व्रत करने वाली महिलाएं कई बार शाम होते होते बीमार भी हो जाती हैं. वे बेहोश हो जाती हैं, या उनका ब्लड प्रेशर लो हो जाता है या इनके शरीर में अचानक पानी की कमी हो जाती है. अगर आपके साथ भी ऐसा होता है तो इस बार यहां बताई जा रही डॉक्टर की सलाह मानकर व्रत शुरू कर सकती हैं. इससे आप बिना किसी अड़चन के व्रत रख पाएंगी और पूरे दिन पानी या खाने की कमी भी महसूस नहीं होगी.

करवा चौथ का व्रत शुरू करने से पहले अधिकांश महिलाएं सुबह सरगी लेती हैं. इसमें घर में मौजूद सास अपनी बहुओं को सरगी में मिठाई और फल खाने के लिए देती हैं. कुछ जगहों पर एकदम सुबह महिलाएं पानी और फिर चाय पीती हैं. जबकि कुछ महिलाएं कॉफी भी पीती हैं. हालांकि ये सभी चीजें शरीर को नुकसान ही पहुंचाती हैं और दिनभर के व्रत में कठिनाई पैदा करती हैं. इस बार आप चाय-कॉफी छोड़कर ये 3 चीजें ट्राई कीजिए और फिर देखिए कैसे आप पूरे दिन तरोताजा बनी रहती हैं और आपको दिन भर प्यास नहीं लगेगी.

दिल्ली के जाने-माने एंडोक्राइनोलॉजिस्ट डॉ. संजय कालरा बताते हैं कि करवाचौथ का व्रत रखती हैं तो उससे दो-तीन दिन पहले से ही नॉर्मल खाना खाएं. पानी ज्यादा पीएं. दो-तीन दिन पहले से अगर आप ज्यादा लिक्विड ले रहे हैं और करवा चौथ वाले दिन पानी नहीं पी पाते हैं तो शरीर खुद से मैनेज कर लेता है. यूरिन आउटपुट कम होने से लिक्विड इन्टेक की जरूरत भी एडजस्ट हो जाती है.

सरगी में खाएं ये 3 चीजें

करवा चौथ वाले दिन सुबह सरगी में 3 चीजें बहुतायत से लें.

. सरगी के दौरान सबसे पहला काम करें कि खूब पानी पीएं.

. दूसरा, कोई भी ताजा फल खाएं. इनमें खरबूज, तरबूज या पपीता ले सकते हैं, या कोई भी जूसी फल हो सकता है.

. इसके बाद तीसरी चीज, एक गिलास लस्सी या एक कटोरी दही, जो भी ले सकतें हैं जरूर लें. अगर लस्सी नहीं लेना चाह रहे तो मिल्कशेक या दूध ले सकते हैं. ये भी नहीं लेना तो फिर कम नमक और कम चीनी वाला नींबू पानी पी लें. इससे पूरे दिन प्यास नहीं लगेगी और शरीर डिहाइड्रेट नहीं होगा.

भूलकर भी न खाएं ये चीजें

डॉ. कालरा कहते हैं कि सरगी में भूलकर भी फ्राइड फूड न खाएं. जैसे चिप्स, पापड़ आदि. या फिर चाय, कॉफी न पीएं. इसके अलावा बहुत ज्यादा मीठा भी न खाएं. सुबह सुबह नमकीन या मिर्च मसाले वाली चीजें खाने से प्यास जल्दी लगती है.

व्रत पूरा होने पर भी बरतें सावधानी

व्रत पूरा होने के बाद भी खाने पर एकदम से न टूटें और न ही बहुत ज्यादा तला भुना, मिर्च मसाले वाला बाहर का खाना खाएं. कोशिश करें कि व्रत पूरा होने पर पहले एक गिलास पानी पीएं. उसके कुछ देर बाद सादा खाना खाकर व्रत खोलें. इस वक्त फ्राइड फूड ज्यादा खाने से आपको एसिडिटी सहित अन्य परेशानियां भी हो सकती हैं.

करवा चौथ पर यदि न दिखे चांद, तो इस तरह करें पूजा व व्रत का पारण

करवा चौथ पर कभी बारिश या किसी अन्य कारण से चांद नजर नहीं आता है तो ऐसे में व्रत रखने वाली महिलाएं परेशान हो जाती हैं। यदि आपके भी शहर में चांद नजर न आए तो ऐसी स्थिति में व्रती परेशान न हों, कुछ उपाय करके चंद्रमा की पूजा और व्रत का पारण किया जा सकता है।

इस साल 01 नवंबर 2023 को करवा चौथ है। इस दिन सुहागिनें निर्जला व्रत रखती हैं और शाम को चंद्रोदय होने के बाद पूजा करती हैं। पूजा संपन्न होने के बाद चंद्रमा को अर्घ्य देकर महिलाएं व्रत का पारण करती हैं। ऐसे में इस दिन हर महिला को चांद के निकलने का बेसब्री से इंतजार रहता है और जैसे ही चांद का दीदार होता है, महिलाएं छलनी में पति का चेहरा देखकर व्रत खोलती हैं। हालांकि यह इंतजार तब भारी पड़ जाता है जब समय पर चांद का दीदार नहीं हो पाता है, क्योंकि इस व्रत में चांद को देखकर ही व्रत का पारण किया जाता जाता है। दरअसल कभी-कभी कुछ जगहों पर बारिश या किसी अन्य कारण से चांद नजर नहीं आता है। ऐसे में व्रत रखने वाली महिलाएं परेशान हो जाती हैं। यदि आपके भी शहर में चांद नजर न आए तो ऐसी स्थिति में व्रती परेशान न हों, कुछ उपाय करके चंद्रमा की पूजा और व्रत का पारण किया जा सकता है। चलिए जानते हैं इसके बारे में...

करवा चौथ पर न दिखे चांद तो करें ये उपाय

यदि आपके शहर में मौसम खराब है, आसमान बादल छाए हुए हैं, जिसकी वजह से चंद्रमा नहीं दिख रहा है, तो व्रत खोलने का सबसे अच्छा उपाय यह है कि चंद्रमा जिस दिशा से उदित होता है, उधर मुंह करके उनका ध्यान करें और व्रत खोलें।

इसके अलावा महिलाएं शिव जी के मस्तक पर विराजमान चंद्रमा का दर्शन कर पूजा-अर्चना कर सकती हैं और अपना व्रत खोल सकती हैं। यदि आपके घर में भगवान शिव की ऐसी कोई प्रतिमा न हो, तो मंदिर जाकर भी व्रत खोल सकती हैं।

आप चावल का चंद्रमा बनाकर विधि-विधान से उनकी पूजा करके भी अपने व्रत का पारण कर सकती हैं। इसके लिए चांद निकलने की दिशा में मुंह करके पूजा की चौकी पर लाल कपड़ा बिछाएं और उस पर चावल से चंद्रमा की आकृति बनाएं। फिर ओम चतुर्थ चंद्राय नमः मंत्र का जाप करते हुए चंद्रमा का आह्वान करें और फिर पूजा कर व्रत का पारण करें।

इसके अलावा एक उपाय ये भी हो सकता है कि आपके रिश्तेदार या किसी जानने वाले के शहर में चांद निकले तो वीडियो कॉल पर चांद देखकर भी पूजा-अर्चना करके व्रत का पारण कर सकती हैं।

क्या कुंवारी लड़कियां भी रख सकती हैं करवा चौथ का व्रत? जानिए क्या है मान्यता

प्रत्येक वर्ष कार्तिक माह में कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को करवा चौथ का व्रत रखा जाता है। इस साल करवा चौथ व्रत 01 नवंबर को है। सुहागिन महिलाओं के लिए यह व्रत बहुत खास माना जाता है। इस दिन सुहागिनें अपने पति की लंबी उम्र के लिए निर्जला व्रत रखती हैं। करवा चौथ के दिन सुहागिन महिलाएं दिन भर कठिन उपवास रखती हैं और चांद के निकलने तक पानी की एक बूंद भी नहीं पीती हैं। दिनभर व्रत रहने के बाद रात में चंद्रमा देखने के बाद छलनी में पति का चेहरा देखकर ही सुहागिनें इस व्रत का पारण करती हैं। इस व्रत को पति के दीर्घायु और दांपत्य जीवन में खुशहाली प्रदान करने वाला माना गया है, इसलिए शादीशुदा महिलाओं के द्वारा ही इस व्रत को रखने का विधान है। लेकिन कई जगहों पर कुंवारी लड़कियां भी करवा चौथ का व्रत रखती हैं। ऐसे में कई बार लोगों के मन में यह प्रश्न आता है कि क्या अविवाहित लड़कियां भी करवा चौथ का व्रत कर सकती हैं? चलिए जानते हैं इस सवाल का जवाब...

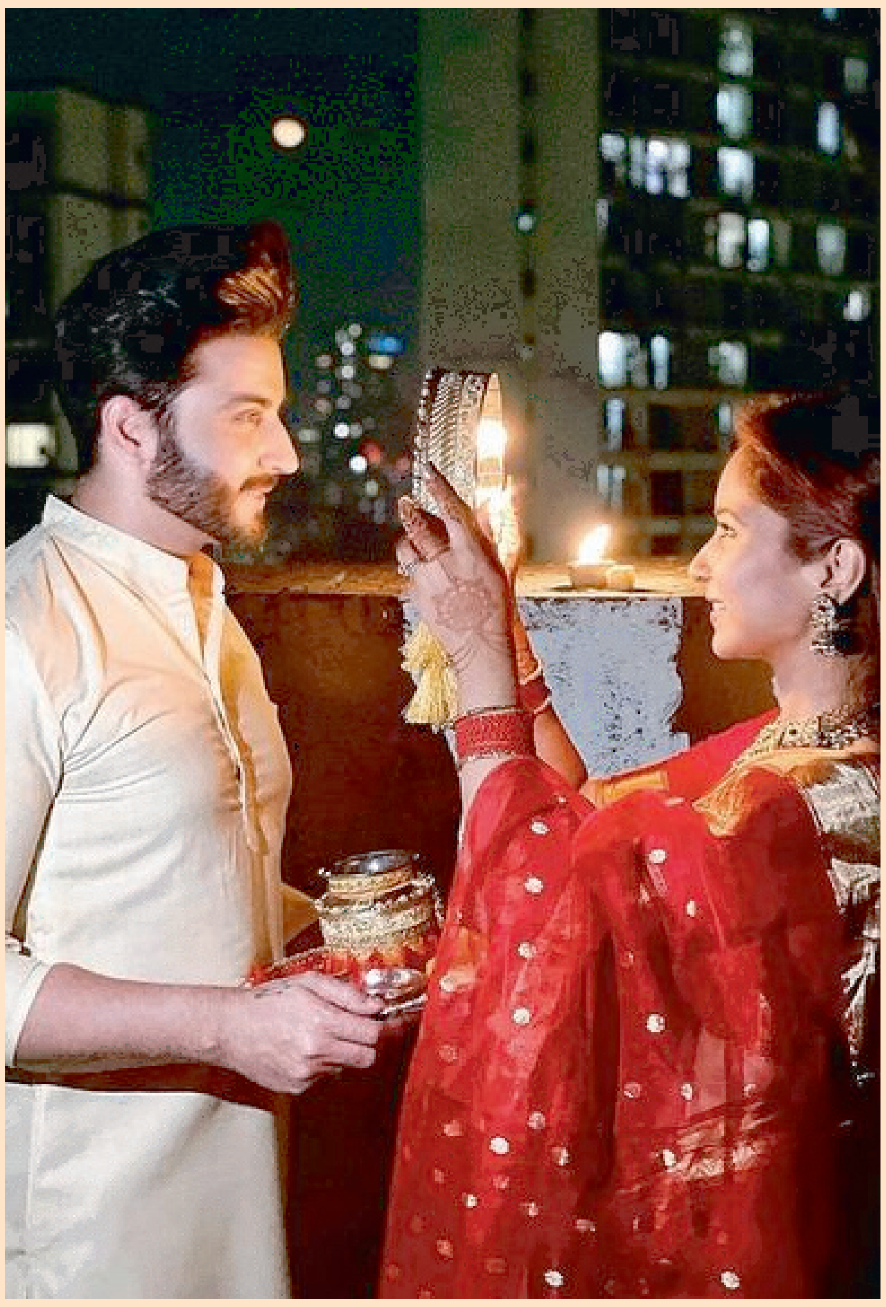

क्या अविवाहित लड़कियां भी रख सकती हैं करवा चौथ का व्रत?

वैसे तो यह व्रत सुहागिन महिलाओं द्वारा करने का विधान है, लेकिन कुंवारी लड़कियां भी यह व्रत रख सकती हैं। ज्योतिष जनकारों के अनुसार अविवाहित लड़कियां अपने मंगेतर या प्रेमी जिसे वो अपना जीवन साथी मान चुकी हों, उनके लिए करवा चौथ का व्रत रख सकती हैं। मान्यता है कि इससे उन्हें करवा माता का आशीष प्राप्त होता है। हालांकि कुंवारी लड़कियों के लिए करवा चौथ व्रत व पूजन के नियम अलग होते हैं। इसलिए यदि आप अविवाहित हैं और करवा चौथ का व्रत करना चाहती हैं, तो सबसे पहले इन नियमों के बारे में जान लें।

अविवाहित लड़कियां करवा चौथ व्रत में इन बातों का रखें ध्यान

अविवाहित लड़कियां इस दिन निर्जला व्रत करने के बजाए फलहार व्रत रख सकती हैं। ज्योतिष के अनुसार कुंवारी कन्याओं के लिए निर्जला व्रत रखने की कोई बाध्यता नहीं होती है, क्योंकि उन्हें सरगी आदि नहीं मिल पाती है।

करवा चौथ व्रत में भगवान शिव, पार्वती, गणेश, कार्तिकेय और चंद्रमा का पूजन किया जाता है। लेकिन कुंवारी कन्याओं को करवा चौथ के व्रत में केवल मां करवा की कथा सुननी चाहिए व भगवान शिव और माता पार्वती का पूजन करना चाहिए।

दीपावली से पहले अरविंद केजरीवाल का बड़ा तोहफा

5000 सफाईकर्मियों को पक्का करने का प्रस्ताव पास

परिवहन विशेष न्यूज

दीपावली से पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ा तोहफा दिया है। नगर निगम के 5000 सफाईकर्मियों को पक्का करने का प्रस्ताव पास हो गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने जो वादा किया था वो पूरा किया। दीपावली पर मिले इस शानदार तोहफ़े के लिए पक्का होने वाले सभी सफ़ाईकर्मियों एवं उनके परिजनों को बहुत-बहुत बधाई।

नई दिल्ली। दीपावली से पहले मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बड़ा तोहफा दिया है। नगर निगम के 5000 सफाईकर्मियों को पक्का करने का प्रस्ताव पास हो गया है। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा कि आज दिल्ली नगर निगम में 5000 सफ़ाईकर्मियों को पक्का करने का प्रस्ताव आम आदमी पार्टी ने पास करा दिया है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि हमने जो वादा किया था वो पूरा किया। दीपावली पर मिले इस शानदार तोहफ़े के लिए पक्का होने वाले सभी सफ़ाईकर्मियों एवं उनके परिजनों को बहुत-बहुत बधाई। मन लगाकर दिल्ली के लोगों की सेवा कीजिए, हम मिलकर दिल्ली को एक साफ़-स्वच्छ और सुंदर शहर बनाएँगे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर दक्षिणी दिल्ली में रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन...

परिवहन विशेष न्यूज

नई दिल्ली। आधुनिक व अखण्ड भारत के शिल्पकार लौह पुरूष सरदार वल्लभ भाई पटेल जी की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर दक्षिणी दिल्ली सांसद श्री रमेश बिधूड़ी के नेतृत्व में प्रतिवषर् की भांति इस वर्ष भी दक्षिणी दिल्ली लोक सभा में विवेक बिधूड़ी फाउंडेशन द्वारा मॉं आनन्दमयी मार्ग ओखला (दक्षिणी दिल्ली जिला) एवं वसंत कुंज (महरौली जिला) में रन फॉर यूनिटी दौड़ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे मा0 राष्ट्रीय महामंत्री भाजपा श्री विनोद तावडे जी को सांसद रमेश बिधूड़ी ने शाल व मयार्दा पुरूषोत्तम श्रीराम जी की प्रतिमा भेंट कर उनका अभिवादन किया। इसके बाद दौड़ का शुभारंभ श्री विनोद तावडे जी द्वारा किया गया।

राष्ट्रीय एकता की इस दौड़ में तीन आयु वर्ग 10-13 वर्ष (1 कि.मी.), 14-17 वर्ष (2 कि.मी.) व 18 वर्ष से ऊपर (3 कि.मी. दौड़) के युवक-युवतियों ने भाग लिया। दक्षिणी दिल्ली जिले की पहली दौड़ मॉं आनंदमयी मार्ग, ओखला फेस-1 में प्रातः 6:00 बजे प्रारंभ की गई और महरौली जिले की दौड़ प्रातः 7:00 बजे वसंत कुंज में डीएलएफ प्रोमेनडे मॉल से प्रारंभ हुई। जिसके बाद प्रत्येक वर्ग के पहले 10 प्रतिभागी विजेताओं को श्री विनोद तावड़े व श्री रमेश बिधूड़ी द्वारा पुरस्कृत कर उन्हें प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। इसके बाद श्री विनोद तावड़े ने युवाओं को सरदार पटेल जी द्वारा देशहित में किए गए कायोर्ं के विषय में बताया व उनका मागर्दशर्न किया।

इस दौरान सांसद रमेश बिधूड़ी ने अपने सम्बोधन में कहा कि आजादी के बाद सैंकड़ों रियासतों में बटे भारत देश को एक करने का काम सरदार पटेल जी ने किया और उनके महान व्यक्तित्व व उनके द्वारा राष्ट्रहित में किए गए कार्यों को सराहते हुए माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने पटेल जी की जन्म जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का निणर्य लिया और वर्ष 2014 में पहली बार इंडिया गेट पर रन फॉर यूनिटी कायर्क्रम का आयोजन हुआ। जिसके बाद से दक्षिणी दिल्ली संसदीय क्षेत्र में रन फॉर यूनिटी दौड़ आयोजित की जाती है। जिसमें युवा वर्ग समानता की भावना से एकत्रित होकर एकता की इस दौड़ में भाग लेते हैं।

इस अवसर पर जिला अध्यक्ष महरौली श्री रणवीर तंवर, पूर्व जिला अध्यक्ष व वतर्मान निगम पाषर्द वसंत कुंज वार्ड श्री जगमोहन महलावत, जिला महामंत्री श्री पवन राठी एवं दक्षिणी दिल्ली जिला महामंत्री श्री बलबीर सिंह (बल्ली) उपस्थित थे।

दिल्ली-एनसीआर में कब निकलेगा चांद, जानिए करवा चौथ की पूजा का सही समय

देशभर में बुधवार यानी एक नवंबर को महिलाएं करवा चौथ का व्रत रखेंगी। महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए करवा चौथ का व्रत रखती हैं। आईए हम आपको बताते हैं कि दिल्ली-एनसीआर में करवा चौथ पर चांद निकलने के समय बारे में बताएंगे।

नई दिल्ली। देशभर में बुधवार यानी एक नवंबर को महिलाएं करवा चौथ का व्रत रखेंगी। महिलाएं अपने पति की लंबी उम्र की कामना के लिए करवा चौथ का व्रत रखती हैं। महिलाओं को इस दिन का बेसब्री से इंतजार रहता है।

बिना अन्न और जल के महिलाएं रखती व्रत

वे दिनभर बिना अन्न और जल के व्रत रखी हैं और शाम को छलनी से चांद को देखकर अपना व्रत खोलती हैं। बता दें कि करवा चौथ का त्योहार कार्तिक महीने के कृष्ण पक्ष चतुर्थी को मनाया जाता है। महिलाएं दिनभर कठोर व्रत रखती हैं। इसके बाद चांद निकलने पर और अर्घ्य देने के बाद महिलाएं अपना व्रत पूरा करती हैं।

पूजा का मुहूर्त और चंद्रोदय का समय

अगर हम करवा चौथ पूजा की मुहूर्त और चंद्रोदय के समय की बात करें तो इस बार करवा चौथ पूजा मुहूर्त - शाम 06:05 बजे से शाम 07:21 बजे तक है। तो वहीं, करवा चौथ व्रत का समय - सुबह 06:39 बजे से रात 08:59 बजे तक रहेगा।

नोएडा-गुरुग्राम में चांद निकलने का समय

इसके अलावा अलग-अलग शहरों में चंद्रोदय का अलग-अलग समय (Karwa Chauth Moonrise Time) है। नई दिल्ली में चांद निकलने का समय रात 8 बजकर 15 मिनट है। वहीं, नोएडा में रात 08 बजकर 14 मिनट पर चांद का उदय होगा। इसके साथ ही गुरुग्राम में रात 08 बजकर 16 मिनट पर चंद्रोदय होगा।

करवा चौथ में सनातन धर्मावलंबी स्त्रियां स्थिर सौभाग्य व सुखद दांपत्य जीवन के लिए पति के आरोग्यतापूर्ण दीर्घायुष्य की कामना करते हुए निराजल व्रत रखती हैं। चतुर्थी तिथि 31 अक्टूबर की रात 11:02 बजे लग रही जो एक नवंबर की रात 10:59 बजे तक रहेगी।

इस मंत्र के साथ करें पूजा

चंद्रोदय के समय मृगशिरा नक्षत्र व शिव योग का अनूठा संयोग पर्व को विशेष बना रहा है। काशी विद्वत परिषद के संगठन मंत्री प्रो. विनय पांडेय के अनुसार, तिथि विशेष पर पूरे दिन उपवास रख कर रात्रि में सौभाग्य की अधिष्ठात्री देवी गौरी की ₹शिवायै शर्वाण्यै सौभाग्यं सन्ततिं शुभाम्। प्रयच्छ भक्तियुक्तानां नारीणां हरवल्लभे।।₹ मंत्र से आराधना कर शिव परिवार की पूजा करनी चाहिए। जीवन में अमृतत्व प्रदान करने वाले भगवान चंद्रमा का उदय होते ही अर्घ्य देकर व्रत का पारण करना चाहिए। मृगशिरा नक्षत्र के स्वामी चंद्रमा हैं। यह शांतिकारक व उन्नति कारक है। इसमें किया जाने वाला कार्य फलीभूत होता है। अतः यह मनोवांछित वर कामना से व्रत रखने वाली कुंवारी कन्याओं के लिए विशेष है। व्रत पर्व पर शाम 5.17 बजे शिव योग लग रहा। यह चंद्रोदय के समय भी मिल रहा, जो विशेष कल्याणकारी माना जाता है।

-प्रो. गिरिजा शंकर शास्त्री, अध्यक्ष, ज्योतिष विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय

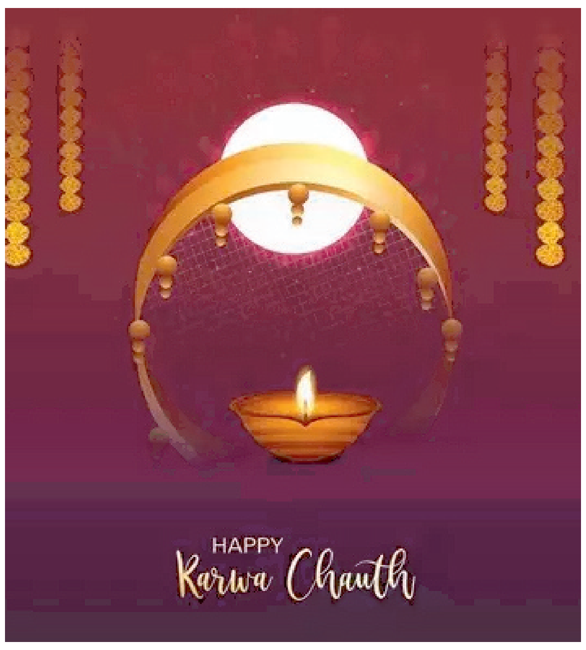

फ्लाइट में बुजुर्ग महिला पर पेशाब करने का मामला, शंकर मिश्रा की याचिका पर HC ने एयर इंडिया से मांगा जवाब

न्यूयार्क-नई दिल्ली यात्रा के दौरान बुजुर्ग महिला पर पेशाब करने के आरोपित शंकर मिश्रा की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने एयर इंडिया से जवाब मांगा है। आरोपी ने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए कुछ दस्तावेजों की आपूर्ति करने के संबंध में एयरलाइंस को निर्देश देने की मांग की है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने ने मिश्रा की याचिका पर एयरलाइन को नोटिस करते हुए सुनवाई स्थगित कर दी।

नई दिल्ली। न्यूयार्क-नई दिल्ली यात्रा के दौरान बुजुर्ग महिला पर पेशाब करने के आरोपित शंकर मिश्रा की याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने एयर इंडिया से जवाब मांगा है। आरोपी ने अपनी बेगुनाही साबित करने के लिए कुछ दस्तावेजों की आपूर्ति करने के संबंध में एयरलाइंस को निर्देश देने की मांग की है। न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने ने मिश्रा की याचिका पर एयरलाइन को नोटिस करते हुए सुनवाई स्थगित कर दी।

शंकर मिश्रा ने अपीलीय समिति के उस आदेश को चुनौती दी थी, जिसमें एयर इंडिया को उनके द्वारा मांगी गई सामग्री प्रदान करने का निर्देश देने से इनकार कर दिया गया था। मार्च माह में हाईकोर्ट ने उक्त घटना के बाद चार महीने के उड़ान प्रतिबंध के खिलाफ मिश्रा की अपील पर सुनवाई कर डीजीसीए को अनियंत्रित यात्रियों के लिए नागरिक उड्डयन आवश्यकताओं के तहत अपीलीय समिति बनाने का निर्देश दिया था।

कुछ दस्तावेज शंकर मिश्रा की साबित कर सकते हैं बेगुनाही

याचिका में मिश्रा ने दावा किया कि पायलटों, चालक दल और एयरलाइन के बीच कुछ दस्तावेज और पत्राचार हैं, जो उन्हें अपनी बेगुनाही साबित करने में मदद कर सकते हैं, लेकिन 15 सितंबर को दिए अपने आदेश में समिति ने उन्हें दस्तावेज देने से इनकार कर दिया है।

क्या है मामला

मिश्रा के अनुसार, प्रासंगिक सामग्री की आपूर्ति न करना उनके मौलिक अधिकारों के साथ-साथ प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का भी उल्लंघन है। आरोप है कि 26 नवंबर 2022 को बिजनेस क्लास में नशे की हालत में शंकर मिश्रा ने 70 वर्षीय महिला पर पेशाब किया था और इसके बाद जनवरी में मिश्रा पर चार महीने का उड़ान प्रतिबंध लगाया था। दिल्ली पुलिस ने महिला द्वारा एयर इंडिया को दी गई शिकायत पर चार जनवरी को प्राथमिकी की थी।

विधायक महेंद्र गोयल ने करवा चौथ सुहागिनों के लिए क्षेत्र में फ्री मेंहदी का लगाया मेला

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।
दिल्लीः रिठाला के विधायक महेंद्र गोयल ने करवा चौथ के मौके पर सुहागिनों के हाथों में फ्री मेंहदी लगाने का मेला लगाया। अवंतिका सेक्टर -1, स्थित विधायक कार्यालय के अंदर और बाहर प्रांगण में सुहागिनों ने अपने दोनों हाथों में मेंहदी लगवाई और विधायक महेंद्र गोयल को सुहागिनों ने फ्री मेहंदी सेवा के लिए दुआएं और आशीष से नवाजा।

इस बावत विधायक महेंद्र गोयल ने बताया कि करीब दो दर्जन कमर्शियल मेंहदी लगाने वाली एक्सपर्ट को इस काम के लिए लगाया गया है। उन्होंने बताया कि सुबह 10 बजे से देर शाम तक सुहागिनों को फ्रिरी मेहंदी लगाने का कार्यक्रम जारी रहेगा। इस विशेष प्रबंध को अनुशासित करने के लिए स्वंम विधायक महेंद्र गोयल के अलावा आप कार्यकर्ताओ की टीम में रिठाला विसभा अध्यक्ष सत्यवान राणा, शुभम-- त्रिपाठी, विजय विहार वार्ड अध्यक्ष उमेश गुप्ता, विनय गुप्ता, पीयूष, जय पारिख, कार्यक्रम संयोजिका मोनिका गर्ग, के अलावा रेखा, छाया तिवारी, गीता पॉल, रमा कौशिक आदि व्यवस्था में मौजूद थी। विजय विहार वार्ड अध्यक्ष उमेश गुप्ता, एवं अध्यक्ष सत्यवान राणा ने बताया कि देर शाम तक तीन सौ - चार सौ से अधिक सुहागिनों को फ्री मेंहदी लगाई गई। मेंहदी के अलावा सभी सुहागिनों के लिए खान-पान की व्यवस्था भी की गई थी।

सरदार पटेल ने देश को खंड-खंड होने से बचाया, वो न होते तो भारत का मानचित्र कुछ और होता: अमित शाह

आजादी के बाद अंग्रेज भारत को खंड-खंड होने के लिए छोड़ गए थे। 550 से ज्यादा रियासतों को कम वक्त में एक कर सरदार पटेल ने भारत माता के मानचित्र को बनाने का काम किया है। अगर वे न होते तो आज देश का मानचित्र यह न होता। यह बातें गृहमंत्री अमित शाह ने कहीं। वे राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर बोल रहे थे।

नई दिल्ली। आजादी के बाद अंग्रेज भारत को खंड-खंड होने के लिए छोड़ गए थे। 550 से ज्यादा रियासतों को कम वक्त में एक कर सरदार पटेल ने भारत माता के मानचित्र को बनाने का काम किया है। अगर वे न होते तो आज देश का मानचित्र यह न होता। यह बातें गृहमंत्री अमित शाह ने कहीं।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम में रन फार यूनिटी को झंडी दिखाकर रवाना करते (मध्य मे) केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह (बाएं से) उपराज्यपाल वीके सक्सेना, केंद्रीय मंत्री मीनाक्षी लेखी, केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर व पहलवान दीपक पूनिया (दाएं से तीसरे) नित्यानंद राय साथ में पहलवान योगेश्वर दत्त व अन्य।

वे राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में आयोजित एकता दौड़ के शुभारंभ पर बोल रहे थे। इससे पहले उन्होंने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, विदेश राज्य मंत्री मीनाक्षी लेखी, उपराज्यपाल वीके सक्सेना के साथ पटेल चौक पर सरदार पटेल की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित कर उन्हें याद किया।

भारत 75 वर्ष बाद भी दुनिया के सामने सम्मान के साथ खड़ा

अमित शाह ने कहा कि राष्ट्रर के प्रति सरदार की कर्तव्य परायणता और लोहे जैसे इरादों का परिणाम है कि भारत 75 वर्ष बाद दुनिया के सामने सम्मान के साथ खड़ा है। कश्मीर से लेकर लक्षद्वीव तक फैले देश को एक करने में उनका बहुत बड़ा योगदान है और देश इस ऋण को कभी चुका नहीं सकेगा।

आजादी के 100 पूरे होने तक सर्वप्रथम होगा देश

यही वजह है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केवड़िया में उनकी सबसे ऊंची प्रतिमा बनवाकर सरदार पटेल को उचित सम्मान देने का काम किया है। आजादी के अमृत का पहला एकता दिवस है। पीएम ने अमृत काल में संकल्प से सिद्धि का संकल्प लिया है। 15 अगस्त 2047 तक देश दुनिया में सर्वप्रथम होगा।

देश के हर नागरिक को लेना है संकल्प

ऐसे भारत के निर्माण का संकल्प लेना है कि देश की आजादी की सौवीं वर्षगांठ के अवसर पर हम विश्व में हर क्षेत्र में प्रथम स्थान पर हों। शाह ने कहा कि देश के 130 करोड़ लोगों को यह संकल्प लेना है और इन संकल्पों को पूरा करने के लिए सामूहिक प्रयास राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ के लिए बहुत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा, ₹आइए हम सब मिलकर अगले 25 वर्षों में भारत को दुनिया में प्रथम स्थान पर लाने का संकल्प लें और सरदार पटेल के सपने को साकार करने के लिए समर्पित होकर काम करें।₹ इस मौके पर उन्होंने वहां मौजूद लोगों को एकता की शपथ भी दिलाई। कार्यक्रम में खेल एवं युवा कल्याण मंत्री अनुराग ठाकुर, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय, अजय कुमार मिश्रा और निशीथ प्रमाणिक उपस्थित थे।

एकता के लिए दौड़े दिल्लीवासी

राष्ट्रीय एकता दिवस के मौके पर दिल्लीवासियों ने दौड़ लगाई। दौड़ को गृहमंत्री अमित शाह ने हरी झंडी देकर रवाना किया। गृहमंत्री को हरी झंडी दीपक पुनिया, योगेश्वर दत्त ने प्रदान की। दौड़ ध्यान चंद स्टेडियम के गेट नंबर एक से शुरू हुई। सी-हेक्सागन से होते हुए शाहजहां रोड के सामने से होते हुए इंडिया गेट की रेडियल रोड पर मुड़ गई। सुभाष चंद बोस की प्रतिमा तक पहुंची और यहां से आगे बढ़ गई। इस दौरान ट्रैफिक डाइवर्ट रहा।

सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर लोगों ने दौड़ लगाकर दिया एकता का संदेश

गुरुग्राम में रन फॉर यूनिटी का आयोजन

सुबह सात बजे से शुरू हुई दौड़

परिवहन विशेष न्यूज

गुरुग्राम के सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में रन फॉर यूनिटी का आयोजिन किया जा रहा है। इस दौड़ में भाग लेने वाले लोगों में उत्साह दिख रहा है। इस रन फॉर यूनिटी में पांच और दस किलोमीटर की दौड़ का आयोजन किया जा रहा है।

गुरुग्राम। सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती के अवसर पर प्रशासन की ओर से आयोजित रन फार यूनिटी कार्यक्रम में अधिकारियों और लोगों ने दौड़ लगाकर एकता का संदेश दिया। दौड़ का शुभारंभ ताऊ देवीलाल स्टेडियम से मंडल आयुक्त आरसी बिढान ने हरी झंडी दिखाकर किया। डीसी निशांत कुमार यादव ने लोगों का उत्साहवर्धन किया। मंडल आयुक्त ने प्रतिभागियों को राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाई। दौड़ में बच्चों से लेकर बुजुर्गों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम में एसडीएम रविन्द्र यादव, सडीएम सतीश यादव समेत पुलिसकर्मी और भारी संख्या में लोग मौजूद रहे ।

सुबह सात बजे से शुरू हुई दौड़

रन फॉर यूनिटी को लेकर बच्चों में इतना उत्साह था कि अधिकतर सुबह पांच बजे तक ही स्टेडियम में पहुंच गए थे। सुबह सात बजे से दौड़ शुरू हुई।

दौड़ में शामिल होने वाले लोगों ने प्रदूषण पर जताई चिंता

रन फॉर यूनिटी में भाग लेने पहुंचे लोगों ने दिन-ब-दिन जहरीली होती जा रही आबोहवा को लेकर चिंता जताई है। लोगों का कहना था कि अगर यहां वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने का जिला प्रशासन द्वारा कोई ठोस प्रयास नहीं किया तो यह शहर रहने लायक नहीं रहेगा।

लोगों को सांस लेने में हो रही है परेशानी

अब तो यहां वायु प्रदूषण का स्तर खतरनाक से भी अधिक खतरनाक हो चुका है। मंगलवार की सुबह एक्सप्रेस-वे ,सोहना, गुरुग्राम हाईवे पर प्रदूषण का अधिक था। सांस संबंधी बीमारियां से पीड़ित लोगों को आए दिन सांस लेने पर परेशानी हो रही है।

कीर्ति को सात घंटे में इंसाफ: लूट, लड़की और मौत के बाद पुलिस की कार्रवाई, पढ़िए पूरी कहानी

मोबाइल लूटने के लिए ऑटो से गिराकर बीटेक छात्रा की हत्या करने वाले बदमाश को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया था जबकि दूसरा गोली लगने से घायल हो गया था। इस तरह छात्रा की मौत के सात घंटे के अंदर उसको इंसाफ मिल गया। यह घटना दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में हुई। लुटेरों ने सिर्फ एक मोबाइल के लिए लड़की को मार डाला था।

गाजियाबाद। मोबाइल लूटने के लिए ऑटो से गिराकर बीटेक छात्रा की हत्या करने वाले बदमाश को पुलिस ने एनकाउंटर में ढेर कर दिया था, जबकि दूसरा गोली लगने से घायल हो गया था। इस तरह छात्रा की मौत के सात घंटे के अंदर उसको इंसाफ मिल गया। यह घटना दिल्ली से सटे उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद जिले में हुई। लुटेरों ने सिर्फ एक मोबाइल के लिए लड़की को मार डाला था। मोबाइल लूटने के विरोध पर ऑटो से गिराकर बीटेक छात्रा को ऑटो से गिराकर हत्या करने का आरोपित सोमवार तड़के करीब तीन बजे पुलिस मुठभेड़ में ढेर हो गया। उसकी पहचान मिशलगढ़ी के जितेंद्र उर्फ जीतू के रूप में हुई है, जिसका साथी मौके से फरार हो गया था। वहीं, छात्रा की मौत आरोपी की मौत से लगभग सात घंटे पहले पौने आठ बजे अस्पताल में हुई थी।

जीतू का एक साथी मुठभेड़ में पहले पकड़ा गया

जीतू का एक साथी बलवीर उर्फ बोबील 28 अक्टूबर की शाम मटियाला में पुलिस मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया था। उसके दायें पैर में गोली लगी थी, जो अब डासना स्थित जिला कारागार में बंद है।

सिर पर लगी थी चोट

आरोप है कि 27 अक्टूबर की शाम पौने पांच बजे हाईटेक कॉलेज के सामने एनएच-नौ के फ्लाईओवर पर हापुड़े के पन्नापुरी की कीर्ति से अपाचे सवार जीतू और बोबील ने मोबाइल लूटा था। कीर्ति के विरोध पर जीतू ने उसे खींचकर चलते ऑटो से गिरा दिया था और मोबाइल लूटकर दोनों भाग गए थे। सिर में घातक चोट लगने के कारण रविवार रात पौने आठ बजे कीर्ति की मौत हो गई थी।

डीसीपी ग्रामीण विवेक ने बताया कि मोदी नगर के यतेंद्र वशिष्ठ से रविवार देर रात 10 बजे अपाचे बाइक सवार दो बदमाशों ने बुलेट बाइक और 5,100 रुपये लूट लिए थे। सूचना के आधार पर पुलिस गंग नहर पटरी मार्ग पर चेकिंग कर रही थी।

सोमवार तड़के बुलेट और अपाचे बाइक पर दो लोग आते दिखे, जिन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाश भागने लगे। पीछा करने पर इन्होंने फायरिंग की। एक गोली दारोगा भानु प्रकाश की दायीं बाजू और दूसरी एसएचओ नरेश शर्मा की बुलेट प्रूफ जैकेट में लगी।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस की तीन गोलियां एक बदमाश की पीठ में लगीं और वह गिर गया। दूसरा बदमाश बाइक छोड़कर झाड़ियों में कूदकर फरार हो गया। गोली लगने से घायल हुआ बदमाश जितेंद्र उर्फ जीतू था, जिसे पुलिस डासना सीएचसी ले गई। यहां से जीतू को जिला एमएमजी अस्पताल रेफर किया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

डीसीपी का कहना है कि कीर्ति से लूट में प्रयुक्त अपाचे बाइक, यतेंद्र की बुलेट बाइक, तमंचा, कारतूस और तीन खोखा कारतूस बरामद हुए हैं। जीतू के खिलाफ लूट, शराब तस्करी, जानलेवा हमला, हत्या, आर्म्स व गैंगस्टर एक्ट के 13 मुकदमे दर्ज हैं। उसकी गिरफ्तारी पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया गया था।

10 सेकेंड तक जूझी कीर्ति, लुटेरे फिर भी नहीं माने

कीर्ति से मोबाइल लूट की फुटेज सामने आई है, जिसमें 10 सेकेंड तक लुटेरे ऑटो के साथ चलते दिख रहे हैं। बदमाश मोबाइल लूटने का प्रयास करता है और उसे बचाने के लिए कीर्ति जद्दोजहद करती है। अंत में लुटेरा तेजी से उसका हाथ झटकता है। मोबाइल लुटेरे के हाथ में आ जाता है, लेकिन कीर्ति 40-45 किमी की रफ्तार से चल रहे ऑटो से सिर के बल हाईवे पर गिर जाती है। इसके बाद ऑटो रुक जाता है, लेकिन अपाचे बाइक सवार बदमाश फरार हो जाते हैं।

दुस्साहस पर गुस्सा और बहादुरी को किया सलाम

एनएच-नौ पर लगे कैमरे की फुटेज का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर आते ही प्रसारित हो गया। घटना को जिस तरह से अजाम दिया गया, उससे बदमाशों का दुस्साहस साफ झलक रहा है। इसको लेकर लोगों ने अपना गुस्सा जाहिर किया है। वहीं कीर्ति की बहादुरी की भी लोगों ने सराहना की। लुटेरे पलक झपकते ही वारदात कर फरार हो जाते हैं और कीर्ति ने 10 सेकेंड तक मोबाइल को बचाये रखा। अंतिम समय तक वह लुटेरों से लोहा लेती रही। लोगों का कहना था कि सिर्फ एक मोबाइल के लिए बदमाशों ने बच्ची की जान ले ली।

शादी नहीं हुई तो युवती के पति को अश्लील फोटो भेज रहा सिरफिरा आशिक, पुलिस ने शुरू की जांच

गाजियाबाद के मोदीनगर में एक कालोनी में सिरफिरे द्वारा युवती को परेशान करने का मामला सामने आया है। वह युवती के पति को उनकी अश्लील फोटो भेज रहा है। आरोप है कि सभी फोटो एडिट करने के बाद अश्लील बनाई गई है। विरोध पर आरोपित ने युवती को जान से मारने की धमकी दी है।

मोदीनगर। कोतवाली क्षेत्र की एक कालोनी में सिरफिरे द्वारा युवती को परेशान करने का मामला सामने आया है। वह युवती के पति को उनकी अश्लील फोटो भेज रहा है। आरोप है कि सभी फोटो एडिट करने के बाद अश्लील बनाई गई है। विरोध पर आरोपित ने युवती को जान से मारने की धमकी दी है।

दो साल पहले हुई युवती की शादी

युवती की शिकायत पर केस दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। एक कालोनी में रहने वाली युवती की दो साल पहले ही शादी हुई है। शादी से पहले युवती की पड़ोसी युवक से दोस्ती थी। युवक उससे शादी करना चाहता था, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पंजाब का धुआं घोंट रहा हरियाणा की सांसें, पराली जलाने के सबसे ज्यादा केस पड़ोसी राज्य से आए सामने

पंजाब में पराली जलाने के केस बढ़ने से हरियाणा के शहरों की हवा तेजी से खराब होती जा रही है। सोमवार को पंजाब के संगरूर जिले के पास स्थित जींद सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर के रूप में दर्ज हुआ। तुलनात्मक रूप से देखें तो पंजाब में महज दो दिन में ही पराली जलाने के 2098 केस सामने आ गए जबकि इस सीजन में हरियाणा में अब तक पराली जलाने के कुल केस 1146 ही है।

हिसार। पंजाब में पराली जलाने के केस बढ़ने से हरियाणा के शहरों की हवा तेजी से खराब हो रही है। सोमवार को पंजाब के संगरूर जिले के पास स्थित जींद सबसे ज्यादा प्रदूषित शहर रहा। यहां का एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 416 तक पहुंच गया। पंजाब में सोमवार को लगातार दूसरे दिन पराली जलाने के एक हजार से ज्यादा केस दर्ज किए गए।

सोमवार को पराली जलाने के 1,030 मामले आए। एक दिन पहले रविवार को 1,068 केस दर्ज किए गए थे, जो इस सीजन का एक दिन का सबसे बड़ा आंकड़ा है। वहीं पंजाब का संगरूर जिला पराली जलाने में सबसे आगे है। यहां रविवार को 181 केस सामने आए थे तो सोमवार को बढ़कर 198 केस हो गए।

पंजाब में दो दिन में पराली जलाने के 2098 केस

तुलनात्मक रूप से देखें तो पंजाब में महज दो दिन में ही पराली जलाने के 2098 केस सामने आ गए, जबकि इस सीजन में हरियाणा में अब तक पराली जलाने के कुल केस 1146 ही है। पिछले साल में तुलना में हरियाणा में इस साल अब तक 40 फीसद कम केस सामने आए हैं। बता दें कि जींद समेत प्रदेश के पांच शहर ऐसे हैं जिनका एक्यूआइ 300 को पार कर गया है।

खराब होती हवा के कारण बीमार लोगों की बढ़ी परेशानी

जींद की आबोहवा ऐसी है कि यह यह स्वस्थ्य व्यक्ति को भी बीमार कर सकती है। मौसम परिवर्तन के बीच खराब होती हवा के कारण बीमार लोगों की परेशानी और बढ़ गई है। जल रही पराली, उद्योगों व वाहनों के धुओं के अलावा अन्य कई कारणों से हवा जहरीली हो रही है।

सोमवार को हिसार समेत कई शहरों में स्माग का अहसास हुआ। इससे काफी जगह पर आंखों में जलन के साथ ही सांस लेने में दिक्कत हुई। डाक्टरों की तरफ से लोगों को ऐसे मौसम में बचकर रहने की सलाह दी गई है।

जींद की स्थिति सबसे गंभीर

शहर	एक्यूआइ
जींद	416
बहादुरगढ़	362
भिवानी	330
कैथल	332
करनाल	303
रोहतक	314

राष्ट्रीय दृष्टिकोण से ही निकलेगा एसवाईएल नहर विवाद का समाधान

राकेश सैन

वर्तमान में भी जिस तरह न्यायालय ने एसवाईएल नहर पर सख्त टिप्पणी करते हुए पंजाब सरकार को फटकार लगाई और इसकी परवाह न करते हुए पंजाब सरकार सहित सभी राजनीतिक दलों ने जो हठीला रवैया अपनाया है उससे किसी का भला होने वाला नहीं।

सर्वोच्च न्यायालय ने सतलुज-यमुना सम्पर्क नहर विवाद पर पंजाब सरकार को कड़ी फटकार लगाई और कहा कि इस पर राजनीति न हो। इस आदेश के तुरन्त बाद पंजाब में मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी की सरकार तुरंत सक्रिय हो गई, किन्तु समाधान के लिए नहीं बल्कि राजनीतिक हलवा पकाने के लिए। सुर वही छह दशक पुराने 'मैं ना मानूं-मैं ना मानूं' वाले। रोचक बात है कि शिरोमणि अकाली दल जैसे क्षेत्रीय दलों की तो छोड़ें कांग्रेस-भाजपा जैसे राष्ट्रीय दल भी न केवल सरकार के स्वर में स्वर मिलाते नजर आए और बल्कि एक-दूसरे से आगे दिखने की होड़ में राष्ट्रीय दृष्टिकोण का गला घोंटते भी दिखाई दिए। जबकि वास्तविकता ये है कि इस मसले पर राष्ट्रीय दृष्टिकोण अपनाने से ही कोई समाधान संभव है। मुद्दे की पृष्ठभूमि में जाएं तो विधि कार्य विभाग, जल शक्ति विभाग व पीआईबी की आधिकारिक वेबसाइट अनुसार, 1955 में रावी और ब्यास के पानी का आकलन 15.85 मिलियन एकड़ फीट (एमएएफ) किया गया। जिसमें राजस्थान को 8, पंजाब को 7.2 व जम्मू-कश्मीर को 0.65 एमएएफ पानी आवंटित किया गया। साल 1966 में पंजाब पुनर्गठन अधिनियम के बाद पंजाब और हरियाणा दो राज्य बने। इसमें पंजाब के हिस्से में से 3.5 एमएएफ का हरियाणा को दिया गया। परंतु पंजाब ने राइपेरियन सिद्धांतों का हवाला देते हुए दोनों नदियों का पानी हरियाणा को देने से इनकार कर दिया। राइपेरियन सिद्धांतों के मुताबिक, जल निकाय से सटे भूमि के मालिक को पानी का उपयोग करने का अधिकार है। विरोध के बाद केंद्र सरकार ने साल 1976 में पानी के बंटवारे पर एक अधिसूचना जारी की, लेकिन दोनों राज्यों में विवाद इतना था कि इसे लागू करना मुश्किल हो गया। हालांकि, हरियाणा ने 1980 तक अपने क्षेत्र में नहर को लेकर परियोजना पूरी कर ली। दोनों राज्यों में टकराव जारी रहा, बातचीत से भी कोई हल न निकलने के बाद साल 1981 में एसवाईएल नहर पर समझौता किया गया। 8 अप्रैल, 1982 को पटियाला के एक गांव कपूरी में एसवाईएल नहर की आधारशिला रखी गई। नहर की लंबाई 214 किलोमीटर है। इसमें से पंजाब में 122 किमी हिस्सा है। पंजाब ने भी 92 किलोमीटर के अपने हिस्से पर 1982 में काम तो शुरू किया लेकिन राजनीति के चलते इसे रोक दिया गया। जब पंजाब में इसका विरोध बढ़ा तो तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने अकाली दल के प्रमुख हरचंद सिंह लोंगोवाल के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर हुए। समझौते के बाद फिर नहर का कार्य शुरू किया गया लेकिन खालिस्तानी उग्रवादियों ने कई इंजीनियरों को और मजदूरों की हत्या कर दी और एक बार फिर परियोजना ठप हो गई।

मसले के हल को सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश वी. बालकृष्ण इराडी की अध्यक्षता में इराडी अधिकरण का गठन हुआ। इसके बाद भी विवाद बना रहा तो 1996 में हरियाणा ने सर्वोच्च न्यायालय का रुख किया। न्यायालय ने 2002 में पंजाब को निर्देश दिए कि अपने क्षेत्र में एसवाईएल काम को पूरा करे। पर पंजाब विधानसभा में 2004 वर्ष में पंजाब टर्मिनेशन ऑफ एग्रीमेंट्स अधिनियम पारित किया जिसके तहत जल-साझाकरण के सभी समझौतों को खत्म कर दिया गया। पंजाब सरकार ने ऐसा करते समय इस तथ्य का ध्यान भी नहीं रखा कि किसी द्विपक्षीय समझौते को एक पक्ष निरस्त नहीं कर सकता। तब से लेकर अब तक एसवाईएल का निर्माण अधर में लटक कर रह गया और टकराव अभी भी छह दशक पुरानी स्थिति में है।

वर्तमान में भी जिस तरह न्यायालय ने एसवाईएल नहर पर सख्त टिप्पणी करते हुए पंजाब सरकार को फटकार लगाई और इसकी परवाह न करते हुए पंजाब सरकार सहित सभी राजनीतिक दलों ने जो हठीला रवैया अपनाया है उससे किसी का भला होने वाला नहीं। आवश्यक है कि इस मुद्दे का सर्वमान्य हल निकाला जाए। हाल के दिनों में जब पंजाब के कई हिस्से बाढ़ का संकट झेल रहे थे तो बाढ़ के पानी की निकासी के लिए इस नहर की आवश्यकता महसूस हुई। इसका अर्थ यह कि समस्या एसवाईएल नहर नहीं बल्कि पंजाब में पानी की कमी है। अगर विभिन्न स्रोतों से पंजाब में पानी की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित कर दी जाए तो इस नहर के निर्माण में शायद ही किसी को आपत्ति होगी। हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि पंजाब हो या हरियाणा या और कोई राज्य, सभी एक राष्ट्र के अंग हैं। शरीर के एक अंग का दूसरे से विरोध नहीं हो सकता। इस मुद्दे का निवारण इसलिए भी किया जाना जरूरी है क्योंकि पंजाब में राजनीतिक दल तो अपनी राजनीति चलाते ही हैं, साथ में देश विरोधी शक्तियां इसको लेकर समाज के एक वर्ग विशेष की भावनाएं भड़काने व उनको उकसाने का काम करती हैं। पंजाब में अलगाववादी ताकतें इसे एक समुदाय विशेष पर अत्याचार के रूप में प्रचारित करती रही हैं। यह मुद्दा केवल कृषि व कृषकों से ही नहीं बल्कि देश की सुरक्षा से भी जुड़ा है, इसीलिए इसका सर्वमान्य हल निकलना चाहिए।

देखा जाए तो पंजाब में जल समस्या प्राकृतिक कम और मानवीय अधिक है। धान की अंधाधुंध बिजाई, जल के प्राकृतिक स्रोतों जैसे तालाबों, जलाशयों को भरा जाना, उनमें प्रदूषण बढ़ना यहां का जल संकट बढ़ा रहा है। तालाब जहां बरसात का अतिरिक्त पानी सहेज कर इलाके को आपदा से बचाते हैं वहीं यह गर्मियों में पानी के अच्छे स्रोत बनते हैं। जंगलों की अंधाधुंध कटाई ने वर्षा जल का संवर्धन करने वाले एक कुदरती साधन को समाप्त कर दिया। ऊपर से केवल कृषि ही नहीं बल्कि शहरी क्षेत्रों में पानी का निर्मम दुरुपयोग निर्बाध रूप से जारी है। जरूरत है इन सबको रोकने की। दूसरी तरफ भारत द्वारा पाकिस्तान से की गई जलसंधि की समीक्षा चल रही है, बताया जाता है कि इस संधि के अनुसार पाकिस्तान को जरूरत से अधिक नदियों का जल जा रहा है। इस जल को रोक कर भारत अपनी पानी की मांग पूरी कर सकता है। अगर ऐसा होता है तो कोई कारण नहीं है कि कोई एसवाईएल नहर जैसी परियोजना का विरोध करे। पंजाब में कमी पानी की नहीं बल्कि इसके प्रबंधन व संवर्धन की है।

हमें याद रखना चाहिए कि नदियां किसी एक राज्य की संपत्ति नहीं बल्कि राष्ट्रीय संपदा हैं। कावेरी जल विवाद न्यायाधिकरण द्वारा 2007 में दिये गए फैसले के खिलाफ कर्नाटक, तमिलनाडु और केरल द्वारा दायर याचिकाओं पर सर्वोच्च न्यायालय में न्यायमूर्ति दीपक मिश्रा, न्यायमूति अमिताभ राय और न्यायमूति एएम खानविलकर ने कहा था कि कोई भी राज्य नदी के स्वामित्व का दावा नहीं कर सकता, क्योंकि यह एक प्राकृतिक संपत्ति है और इस पर पूरे देश का अधिकार है। न केवल न्याय बल्कि राष्ट्रीय एकता-अखण्डता, क्षेत्रीय सौहार्द एवं देश के देश के विकास की भी यही मांग है कि इस विवाद का हल राष्ट्रीय भावना के अनुरूप हो न कि क्षेत्रवादी दृष्टिकोण से। राष्ट्रीय अपेक्षाएं कभी भी किसी राज्य या क्षेत्र के साथ अन्याय नहीं होने देती, यह सर्वविदित है।

Triumph Speed 400 और Triumph Scrambler 400X को जापान में किया गया लॉन्च

Triumph Speed 400 की कीमत 699999 जापानी येन (लगभग 3.87 लाख रुपये) और Scrambler 400X की कीमत 789000 जापानी येन (4.37 लाख रुपये) है। जापान में इच्छुक ग्राहक अधिकृत ट्रायम्फ डीलरशिप पर जाकर बाइक बुक कर सकते हैं और इसकी डिलीवरी जनवरी 2024 से शुरू होने की उम्मीद है। डिजाइन के मामले में स्पीड 400 की स्टाइलिंग के संकेत स्पीड ट्विन 900 से लिए गए हैं।

नई दिल्ली। Triumph Motorcycles ने जापानी बाजारों में Triumph Speed 400 और Triumph Scrambler 400X को लॉन्च किया है। स्पीड 400 की कीमत 699,999 जापानी येन (लगभग 3.87 लाख रुपये) और स्क्रैम्बलर 400 एक्स की कीमत 789,000 जापानी येन (4.37 लाख रुपये) है।

जापान में इच्छुक ग्राहक अधिकृत ट्रायम्फ डीलरशिप पर जाकर बाइक बुक कर सकते हैं और इसकी डिलीवरी जनवरी 2024 से शुरू होने की उम्मीद है।

Triumph Speed 400 और Triumph Scrambler 400X की खासियत

भारत में ट्रायम्फ स्पीड 400 की कीमत 2.33 लाख रुपये से शुरू होती है और स्क्रैम्बलर 400X की कीमत 2.63 लाख रुपये (दोनों कीमतें एक्स-शोरूम) से शुरू होती है। इन दोनों ही बाइक्स को पुणे में बजाज के प्लांट में बनाया जा रहा है और ये ब्रांड की एंट्री-लेवल बाइक्स हैं।

डिजाइन के मामले में, स्पीड 400 की स्टाइलिंग के संकेत स्पीड ट्विन 900 से लिए गए हैं। इसमें डीआरएल के साथ गोलाकार एलईडी हेडलैंप मिलते हैं और इसमें एक गोल्डन अपसाइड-डाउन फोर्क मिलता है।

इसमें 13-लीटर का फ्यूल टैंक और उसके ऊपर एक बड़ा ट्रायम्फ लोगो मिलता है। बाइक में LED टेललैंप्स के साथ LED इंडिकेटर्स भी मिलते हैं। ट्रायम्फ स्क्रैम्बलर 400X को एक ही फ्रेम पर बनाया गया है और फ्रंट में 43 मिमी अपसाइड-डाउन बिग-पिस्टन फोर्क्स और प्री-लोड एडजस्टमेंट के साथ रियर में गैस-चार्ज्ड मोनो-शॉक यूनिट दिए गए हैं।

फीचर्स

फीचर्स की बात करें तो ये दोनों बाइक्स एलईडी लाइटिंग, सेमी-डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, राइड-बाय-वायर थ्रॉटल, ट्रैक्शन कंट्रोल, डुअल-चैनल एबीएस, टॉर्क-असिस्ट क्लच, यूएसबी-सी चार्जिंग मिलती है। स्क्रैम्बलर 400X में बड़ा फ्रंट व्हील, बड़ा फ्रंट डिस्क ब्रेक, चौड़ा हैंडलबार, स्विचेबल एबीएस, लंबा व्हीलबेस और लंबा ट्रैवल सस्पेंशन है और इसमें ऑफरोड-विशिष्ट एलीमेंट जैसे- हैंडगार्ड, हैंडलबार ब्रेस और एक लंबा फ्रंट मडगार्ड मिलता है।

इंजन

इंजन और गियरबॉक्स की बात करें तो ट्रायम्फ स्पीड 400 और स्क्रैम्बलर 400एक्स एक लिक्विड-कूल्ड, 398cc, सिंगल-सिलेंडर पेट्रोल इंजन द्वारा संचालित है, जो 8000rpm पर 40hp और 6 500rpm पर 37.5Nm उत्पन्न करता है। इंजन बिल्कुल नया है और इसे टीआर-सीरीज नाम दिया गया है।

2023 Mercedes GLE SUV 2 नवंबर को होगी लॉन्च, जानिए किन बदलावों के साथ मारेगी एंट्री

भारतीय ऑटोमोटिव बाजार में अक्टूबर 2023 के महीने में काफी हलचल होने की उम्मीद है, क्योंकि अलग-अलग सेगमेंट में नई कारें लॉन्च होने का इंतजार कर रही हैं। त्योहारी सीजन के चलते कंपनियों ने तगड़ी तैयारी कर रखी है और इस महीने 7 नई कारें

2023 Mercedes GLE को विशेष तौर पर भारतीय खरीदारों के लिए तैयार किया जा रहा है। जीएलसी को हाल ही में अपडेट किया गया था और कंपनी का दावा है कि उसे इसके लिए मजबूत प्रतिक्रिया मिली है। कहा गया है कि ये उसी स्तर की मजबूत प्रतिक्रिया है जिसे जर्मन जीएलई के लिए भी मिलने को लेकर आश्वस्त हैं।

नई दिल्ली। Mercedes-Benz ने मंगलवार को घोषणा करते हुए कहा है कि वह 2 नवंबर को भारतीय बाजार में अपडेटेड जीएलई एसयूवी लॉन्च करेगी। कंपनी ने यह भी कहा कि वह उसी तारीख को एएमजी सी 43 लॉन्च करेगी, जो भारतीय लग्जरी कार सेगमेंट में आक्रामक उत्पाद पर अपना ध्यान केंद्रित करेगी। चालू कैलेंडर वर्ष में मर्सिडीज-बेंज इंडिया ने कई टॉप-एंड वाहन (टीईवी) निकाले हैं, जबकि इसके एसयूवी लाइनअप में दोगुनी वृद्धि जारी है।

2023 Mercedes GLE में क्या नया?

2023 Mercedes GLE को विशेष तौर पर भारतीय खरीदारों के लिए तैयार किया जा रहा है। जीएलसी को हाल ही में अपडेट किया गया था और कंपनी का दावा है कि उसे इसके लिए मजबूत प्रतिक्रिया मिली है। कहा गया है कि ये उसी स्तर की मजबूत प्रतिक्रिया है, जिसे जर्मन जीएलई के लिए भी मिलने को लेकर आश्वस्त हैं।

प्रोडक्शन पिरामिड में जीएलई जीएलसी के ऊपर और टॉप-लाइन जीएलएस के नीचे बैठती है।

अपडेटेड GLE SUV को फरवरी में दुनिया के सामने प्रदर्शित किया गया था और ये मूल रूप से एक नया वर्जन है। नवीनतम संस्करण में बदलावों में सामने की तरफ एक नया बम्पर, एलईडी हेडलाइट में बदलाव, अपडेटेड टेल लाइट्स और अलॉय व्हील का एक नया सेट शामिल है।

जीएलई के इंटीरियर में एस-क्लास से लिया गया स्टीयरिंग व्हील मिलता है। इसके अलावा इसे नए कलर ऑप्शन और ट्रिम्स में भी पेश किया जा सकता है। इसमें MBUX सिस्टम को अपग्रेड किया गया है, जबकि एक वैकल्पिक ऑफ-रोड पैकेज उपलब्ध है।

वैश्विक बाजार में GLE को पेट्रोल, डीजल और हाइब्रिड इंजन विकल्पों के साथ पेश किया जाता है। 48V इंटीग्रेटेड स्टार्टर-जनरेटर (ISG) तेजी से एक आम फीचर बनता जा रहा है और भारत में आने वाली GLE को बेहतर माइलेज और कम टेलपाइप एमीशन के लिए ये मिलना तय है। हालांकि, जो इंडिया-स्पेक वर्जन में नहीं मिलेगा वो निश्चित रूप से GLE का प्लग-इन हाइब्रिड संस्करण है।

Kawasaki Ninja ZX-4R की शुरू हुई डिलीवरी, जानें इस बाइक में क्या है खास

इस स्पोर्ट्सबाइक को पावर देने के लिए 399 सीसी का लिक्विड-कूल्ड फोर-स्ट्रोक इन-लाइन इंजन का इस्तेमाल किया गया है। ये पावरट्रेन स्लिपर क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। इसका इंजन 14500 आरपीएम पर 76 बीएचपी की अधिकतम पावर देने में सक्षम है और इसे 79 बीएचपी तक बढ़ाया जा सकता है। इंजन 13000 आरपीएम पर 39 एनएम का टॉर्क पैदा करता है।

नई दिल्ली। Kawasaki ने हाल ही में Ninja ZX-4R को लॉन्च किया था। कंपनी की भारतीय लाइनअप में ये स्पोर्ट्सबाइक निंजा 650 और निंजा 400 के बीच प्लेस की गई है। कावासाकी इस बाइक की डिलीवरी आज से शुरू कर दी है। आइये जानते हैं इस बाइक में क्या कुछ मिलता है खास?

वेरिएंट और कलर ऑप्शन

Kawasaki Ninja ZX-4R केवल एक ही वेरिएंट में उपलब्ध होगी और इसके साथ ऑफर पर केवल एक ही कलर मेटालिक स्पार्क ब्लैक दिया गया है। कावासाकी इंडिया के पोर्टफोलियो में अन्य मॉडलों की तरह, ये भी रेसिंग डीएनए लेकर आती है। निर्माता का दावा है कि निंजा ZX-4R एक हैंडलिंग कैरेक्टर प्रदान करती है, जो इसके बड़े सिब्लिंग Ninza ZX-10R और Ninjz ZX-6R के समान है।

कितना दमदार है इसका इंजन?

इस स्पोर्ट्सबाइक को पावर देने के लिए 399 सीसी का लिक्विड-कूल्ड, फोर-स्ट्रोक इन-लाइन इंजन का इस्तेमाल किया गया है। ये पावरट्रेन स्लिपर क्लच के साथ 6-स्पीड गियरबॉक्स से जुड़ा है। इसका इंजन 14,500 आरपीएम पर 76 बीएचपी की अधिकतम पावर देने में सक्षम है और इसे 79 बीएचपी तक बढ़ाया जा सकता है। इंजन 13,000 आरपीएम पर 39 एनएम का टॉर्क पैदा करता है। इसकी वजह से ये 400 सीसी सेगमेंट में सबसे शक्तिशाली मॉडल है।

कितनी है कीमत?

कावासाकी ने पिछले महीने भारत में निंजा ZX-4R लॉन्च किया था। नवीनतम इनलाइन 4-सिलेंडर सुपरस्पोर्ट मॉडल की कीमत 8.49 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) है। कावासाकी ने अब बाइक के पहले बैच की डिलीवरी शुरू कर दी है।

राइडिंग मोड्स और फीचर्स

Kawasaki Ninja ZX-4R को चार राइडिंग मोड मिलते हैं, जिनमें स्पोर्ट, रोड, रेन और राइडर शामिल हैं। इसे ब्लूटूथ कनेक्टिविटी, टर्न-बाय-टर्न नेविगेशन और नोटिफिकेशन अपडेट के साथ 4.3-इंच टीएफटी स्क्रीन भी दिया गया है। इसके अलावा मोटरसाइकिल में ऑल-एलईडी लाइटिंग और इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर के लिए एक डेडिकेटेड ट्रैक मोड भी है, जो इसे प्रदर्शन और स्टाइल चाहने वाले राइडर्स के लिए एक आकर्षक विकल्प बनाता है।

पाखंड का पर्यावरण

वीरेंद्र कुमार पैन्यूली

> जी-20 के देशों द्वारा अपने 2020 में घोषित उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों को न बढ़ाने से पृथ्वी के हितचिंतकों के बीच अच्छा संदेश नहीं गया है'

उबलती पृथ्वी का ताप कम करने के लिए जागृत न हो सके जी-20 के दिल्ली सम्मेलन में इस मसले पर अपेक्षित संवेदना नहीं दिखी। 'क्लाइमेट कॉन्फ्रेंस ऑफ दि पार्टीज' यानी संयुक्त राष्ट्रसंघ (यूएनओ) के 28वें सालाना जलवायु परिवर्तन सम्मेलन के पहले यह जरूरी था। यह सम्मेलन (कौप-28, 30 नवंबर से 12 दिसंबर 2023 तक संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के एक्सपो सिटी, दुबई में आयोजित किया जाएगा। दिल्ली सम्मेलन 'एक पृथ्वी, एक कुटुम्ब, एक भविष्य' की थीम पर हुआ था। पृथ्वी के प्रति चेतना जगाने के लिए ऐसे नारे पहली बार नहीं गढ़े गए थे। एक पृथ्वी की बात लें। 5 जून 1974 के पहले एवं 5 जून 2022 के विश्व पर्यावरण दिवस की थीम भी 'केवल एक ही पृथ्वी है' (ओनली वन अर्थ) थी। एक भविष्य की बात करें तो नार्वे के पूर्व प्रधानमंत्री ग्रो हर्लेम ब्रंटलैंड आयोग की वैश्विक पर्यावरण पर रिपोर्ट संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यावरण और विकास आयोग द्वारा 1987 में 'हमारा साझा भविष्य' (अवर कॉमन फ्यूचर) नाम से प्रकाशित की गई थी। यह आयोग 1983 में संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा गठित किया गया था। जहां तक कुटुम्ब का भाव है, प्रकृति-जनित नैसर्गिक परिवेश में हम सब पृथ्वी में सहोदर हैं, परन्तु सारे आदर्श नारों के उद्घोषों के बावजूद पृथ्वी के हालात बिगड़ते ही रहे हैं, पृथ्वी ज्वरग्रस्त होती गई है। यथार्थ अब पृथ्वी के गरम होने का नहीं, बल्कि उबलती पृथ्वी का है, किन्तु अपनी समृद्धि के लिये उसका ताप बढ़ाने से न तो देशों को परहेज है, न उद्योगों व व्यावसायिक संस्थानों को। पृथ्वी 2020 से हर साल, पिछले साल से ज्यादा गर्म हो रही है।

2023 के लिये भी यही प्रवृत्ति जारी है। बिगड़ते हालात की प्रतिक्रिया में 2021 के पृथ्वी दिवस की थीम 'रिस्टोर अवर अर्थ' अर्थात 'अपनी पृथ्वी को पुनस्थापित करें' रखना पड़ा। इसी क्रम में 5 जून 2021 के पर्यावरण दिवस से यूएनओ ईकोसिस्टम रिस्टोरेशन का 2021 से 2030 तक का दशक भी मना रहा है। इन परिप्रेक्ष्यों में जब धनी व बड़ी आर्थिकी वाले देशों का दिल्ली में मिलना हुआ तो वैश्विक वंचितों में आर्थिक व पर्यावरणीय न्याय पाने की आशा तो जगनी ही थी। कारण यह भी था कि जी-20 की मूल उत्पत्ति व परिकल्पना धनी देशों के विश्व व्यापार मंच (डब्ल्यूटीओ) की ही थी। कटु यथार्थ यह भी है कि जी-20 देशों द्वारा गर्म करती गैसों के उत्सर्जन व उनके कारण खेमों में बंटी दुनिया भी पूरे विश्व का ही जोखिम बढ़ा रही है। पिछले अनुभव बताते हैं कि जलवायु पर विभाजित विश्व में एक परिवार का उद्देश्य पाना मुश्किलों भरा है। शर्म-अल-शेख में आयोजित 'कौप-27' सम्मेलन में खेमों में बंटे देशों के व्यवहार में कटुता देख यूएनओ महासचिव एंटोनियो गुटेरस को तो यहां तक कहना पड़ा कि उत्तर और दक्षिण तथा विकसित व विकासशील आर्थिकियों के लिये एक-दूसरे पर आरोप लगाने का यह उपयुक्त समय नहीं है। ऐसे में विनाश निश्चित है। उनका कहना था कि हम उन देशों को पर्यावरण न्याय से वंचित नहीं कर सकते जिनकी जलवायु आपदा लाने में कोई भूमिका नहीं रही है। उनका आशय सबसे कम विकसित और द्वीपीय देशों से था जिनकी जलवायु आपदा फैलाने में सबसे कम भूमिका है, किन्तु जो जलवायु आपदा की मार सबसे ज्यादा झेलते हैं। अंततः इतिहास में कौप-27 ऐसा पहला सम्मेलन बन गया जिसमें भारी दबावों के बीच धनी देशों ने आर्थिक व सामाजिक संरचनाओं को होने वाले नुकसानों की भरपाई के लिये कार्बन प्रदूषण से पीड़ित गरीब देशों की एक मुआवजा-कोष की मांग मान ली। कौप-27 में जलवायु जोखिम से असुरक्षित (वलनरेबल) देशों ने तो कोष स्वीकृति पर दबाव बनाने के लिये यह धमकी भी दे डाली कि जब तक इस पर निर्णय नहीं होगा वे वापस नहीं जायेंगे। जून 2022 में निकली 55 वलनरेबल देशों की रिपोर्ट में भी कहा गया था कि पिछले दो दशकों में जलवायु आपदाओं से इन देशों में लगभग 525 अरब डालर की हानि हुई है।

यह उनके सम्मलित जीडीपी का लगभग 20 प्रतिशत है। दिल्ली सम्मेलन में भी पहुंचे यूएनओ महासचिव एंटोनियो गुटेरस पहले दिन ही, नौ सितम्बर 2023 को क्लाइमेट व इनवायरमेंट के सत्र में चेता गये थे कि इस जलवायु आपदा काल पर तुरंत काम किया जाना चाहिये। जो कुछ जैसा चल रहा है, उसको हम वैसा जारी नहीं रख सकते। यहां से कड़ा संदेश जाना चाहिये। हर हाल में धरा की तापमान बढ़ोतरी को रोकने का लक्ष्य जिंदा रखना चाहिये, किन्तु असल में ऐसा कुछ नहीं हुआ। पूरे विश्व की नजर जी-20 के दिल्ली सम्मेलन पर इस आशा से भी लगी थी कि संभवतः सूत्र वाक्य का सम्मान करते हुये ये देश उबलती पृथ्वी के बढ़ते तापक्रम को डेढ़ डिग्री तक सीमित रखने में आत्मसंयम से अपने कार्बन उत्सर्जनों में कटौती की घोषणा करेंगे। विश्व का पिचासी प्रतिशत कार्बन उत्सर्जन जी-20 के सदस्य देशों का है व अनुमान है कि 2050 तक गरम करती गैसों का नब्बे प्रतिशत वैश्विक उत्सर्जन इन्हीं देशों से आयेगा। द्वीपीय देशों के अस्तित्व को जलवायु बदलावों से बहुत ज्यादा खतरा है। उनके जोखिमों को हर हाल में कम करने की इच्छाशक्ति तो होनी ही चाहिये। हालांकि जिस अफ्रीकी संघ को दिल्ली में पहली बार जी-20 देशों के समूह में शामिल किया गया उसके वर्तमान अध्यक्ष अजाली असौमानी भी हिन्द महासागर के आखिरी छोर पर बसे एक बहुत छोटे द्वीप देश कोमोरोस के राष्ट्रपति हैं। वे स्वयं दिल्ली सम्मेलन में उपस्थित थे। गत वर्ष जारी यूएनओ की 'यूनाइटेड ऐमीशन गैप रिपोर्ट' से भी यह साफ हो चुका था कि वर्तमान में यदि विभिन्न देशों की स्वघोषित उत्सर्जन कटौती की सारी शपथों को जोड़ दिया जाये तो कुल उत्सर्जन कटौती दो से तीन अरब टन की ही आती है, जबकि पेरिस जलवायु समझौते 2015 के अनुसार 23 अरब टन कार्बन डाईआक्साईड की कटौती जरूरी है। आज जी-20 के दस देशों की ऊर्जा खपत में कोयला महत्वपूर्ण आधार है। इसका उत्खनन भी लगातार बढ़ाया जा रहा है। चीन में भी यही हो रहा है। मेजबान देश भारत में 70 प्रतिशत से ज्यादा बिजली उत्पादन कोयले से होता है और कोयले की नई खदानें व प्लांट निजी क्षेत्र में भी बढ़ाये जा रहे हैं। पैट्रोलियम की खोज व खपत तो सभी देश बढ़ा रहे हैं, यहां तक कि सागरों व घने वन क्षेत्रों में भी। जी-20 के दिल्ली सम्मेलन में विश्व बैंक की भी उपस्थिति थी, किन्तु शुद्ध व्यावसायिक रुख अपनाते हुए, उबलती पृथ्वी पर अतिरिक्त संवेदनशील होने की बजाय उसने इण्डोनेशिया की एक बड़ी कोयला परियोजना को धन मंजूर किया।

इसकी ग्रीन समूहों द्वारा बहुत आलोचना हो रही हैं। यूएनओ महासचिव सितम्बर माह में ही कह चुके हैं कि अब और तेल निकालना बंद किया जाना चाहिये। नये तेल उत्पादन के लिये न तो लाईसेंस दिया जाना चाहिये न ही फण्डिंग की जानी चाहिये। जी-20 के देशों द्वारा अपने 2020 में घोषित उत्सर्जन कटौती लक्ष्यों को न बढ़ाने या कोयले व अन्य जीवाश्म ईंधनों को उपयोग से बाहर करने की समय सीमा तय न करने से पृथ्वी के हितचिंतकों व उसको गर्मी से बचाने वालों के बीच अच्छा संदेश नहीं गया है। यदि वे जुबानी जमाखर्च से अलग कतिपय बड़ी आर्थिकी वाले देश पूरी पृथ्वी के लोगों को एक ही परिवार मानते, सबके हित के साथ अपने हित जोड़ते, साझे भविष्य की अहमियत समझते या पृथ्वी के प्रति संवेदनशील होते तो यूएनओ महासचिव जी-20 के तुरंत बाद हुई महासभा के पहले इन देशों को पृथ्वी को तोडने वाला क्यों कहते। दिसम्बर 2023 में दुबई में होने वाले कौप-28 के लिये ज्यादा समय नहीं बचा है। कौप-28 की मेजबानी तो एक बडा तेल उत्पादक देश कर रहा है जो तेल के उपयोग में कटौती की बजाय तकनीकों से कार्बन उत्सर्जन कटौती की राह अपनाने का पक्षधर है। जी-20 में दिल्ली आए विभिन्न देशों की 'एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य' की बात धरी की धरी रह जाएगी क्योंकि ये देश कौप-28 में पहुंचते ही जी-7 व जी-77 के चोगे पहन लेंगे और अपने-अपने खेमों में बंटे तलवार खींचते नजर आएंगे।

संपादक की कलम से

केरल में 'कट्टरवादी' धमाके

केरल के एर्नाकुलम जिले के एक सभा-कक्ष में जो धमाके किए गए हैं, वे कमोबेश आतंकी हमले तो नहीं लगते, लेकिन उससे कमतर भी नहीं हैं। एक सभा-कक्ष में करीब 2300 लोग प्रार्थना में लीन थे। वे 'येहोवा समुदाय' के बताए जाते हैं, जो बुनियादी तौर पर ईसाई हैं, लेकिन मानसिक रूप से यहूदी-समर्थक भी हैं। उन्होंने एक दिन पहले इजरायल के समर्थन में प्रस्ताव पारित किया था। यह ऐसा ईसाई धार्मिक समुदाय है, जिसकी उत्पत्ति 19वीं सदी में अमरीका में हुई थी। सिलसिलेवार तीन धमाकों में 2 महिलाओं की मौत हो गई, जबकि 51 लोग झुलसे और घायल बताए गए हैं। आधा दर्जन की हालत गंभीर बताई गई थी और 18 लोगों को आईसीयू में भर्ती करना पड़ा है। बेशक धमाके 'आतंकी' नहीं थे, लेकिन धार्मिक कट्टरवाद से प्रेरित जरूर थे। केरल में विभिन्न समूहों के बीच हिंसा का इतिहास रहा है। इन समूहों में धर्म और राजनीति का खतरनाक मिश्रण भी रहा है। हालांकि प्रभाव इजरायल-हमास युद्ध का भी रहा होगा, क्योंकि केरल ही नहीं, देश के अलग-अलग हिस्सों में भी मुस्लिम संगठन फिलिस्तीन समर्थक प्रदर्शन कर रहे हैं। हमास को ही फिलिस्तीन के तौर पर पेश किया जा रहा है, लिहाजा आंकड़े और तथ्य गलत हैं। केरल में हाल ही में जो फिलिस्तीन समर्थक रैली का आयोजन किया गया था, उसे हमास के संस्थापक नेता खालिद मशेल ने भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए संबोधित किया था। देश में यह कैसे हो सकता है कि आतंकी समूह का सरगना रैली को संबोधित करे और राज्य सरकार से स्पष्टीकरण तक न मांगा जाए? केरल में 27 फीसदी मुसलमान और 18 फीसदी ईसाई हैं। दोनों ही समुदाय वाममोर्चा और कांग्रेस नेतृत्व वाले मोर्चे के साथ सत्ता और सियासत में ताकतवर मौजूदगी दर्ज कराते रहे हैं। अब इन धमाकों की गहन जांच से निष्कर्ष सामने आएंगे कि इजरायल-हमास युद्ध से प्रभावित कट्टरवाद कितना जिम्मेदार है?

धमाकों के लिए आईईडी का इस्तेमाल किया गया, तो उसे कहां से हासिल किया गया? विस्फोटक पदार्थ कहां से आए? हालांकि एक शख्स ने धमाकों की जिम्मेदारी ली है। डोमिनिक मॉर्टिन नाम के इस व्यक्ति ने केरल पुलिस को बताया है कि वह 16 साल से 'येहोवा विटनेस समुदाय' का सदस्य रहा है, लेकिन करीब 6 साल पहले उसे एहसास हुआ कि यह अच्छा संगठन नहीं है और इसकी शिक्षाएं 'देशद्रोही' हैं। हालांकि येहोवा समुदाय ने इस शख्स की सदस्यता से इंकार किया है, लेकिन 'देशद्रोही' शब्द में कट्टरवाद और साजिश के मायने निहित हैं। बहरहाल राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) समेत सभी एजेंसियां केरल में पहुंच चुकी हैं। वे जांच के हर पहलू की गहराई तक जाएंगी। यह भी जांच का सरोकार होगा कि हमास वाली रैली के आयोजन में किसकी कारगर भूमिका थी? कांग्रेस और इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग जैसी परंपरागत पार्टियों के अलावा प्रतिबंधित पीएफआई और एसडीपीआई सरीखे दलों की सियासत किस हद तक असरदार है और उनकी बुनियादी सोच क्या है? इन धमाकों के संदर्भ में देश की सकल सुरक्षा का आयाम भी संवेदनशील है। राजधानी दिल्ली समेत उप्र और मुंबई में भी हाई अलर्ट लागू कर दिया गया है। सोशल मीडिया पर अनाप-शनाप पोस्ट लिखी जा रही हैं। धमाकों को इजरायल-हमास युद्ध से जोड़ कर व्याख्याएं की जा रही हैं। हालांकि केरल पुलिस ने आगाह किया है कि सोशल मीडिया पर फर्जी और भडक़ाऊ पोस्ट लिखने वालों पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी। संभावनाएं हैं कि पश्चिम एशिया का टकराव भारत और उसके हितों को परोक्ष रूप से प्रभावित कर सकता है। हमारे देश को 'विदेशी टकरावों' की रणभूमि नहीं बनना चाहिए।

राय

कितनी मीठी मिल्क फैडरेशन

मिठाई के सीजन में मिल्कफेड की मिठास और एक कवायद साल के जश्न में कुछ दिखाने की। मिठाई को हाथों में थामे मिल्कफेड इस बार गिफ्ट पैक में बाजार की मोहब्बत दिखा रहा है, जहां खरीददार के लिए एक ब्रांड है हिमाचल। इसमें दो राय नहीं कि दिवाली की मिठाई और लोहड़ी की गज़क के बहाने मिल्क फेडरेशन अपनी उपस्थिति के साथ स्वाद लेकर आती है। यह भी सही है कि गुणवत्ता के आधार पर ये उत्पाद अपनी खासियत का एहसास कराते हैं, लेकिन यह अल्पावधि का प्रयास है जो बाजार में निरंतरता के साथ संदेश नहीं दे पा रहा। कहना न होगा कि दावों के बावजूद हिमाचल के दुग्ध उत्पाद पड़ोसी राज्यों की कतार में खड़ा नहीं हो पा रहे, नतीजतन सुबह की बाहरी राज्यों की डेयरी पर निर्भरता कम नहीं हुई। यह भी अजीब सा चक्र है कि हिमाचल अपना ब्रेकफास्ट बाहर से मंगवाता है। दूध, ब्रेड और पॉल्ट्री प्रॉडक्टस सुबह सवेरे ही घर-घर दस्तक देते हैं, लेकिन वहां कोई विरला ही हिमाचल का ब्रांड है, वरना हमारी गाय और भैंस तो सडक़ों पर घूम रही हैं। आश्चर्य तो यह कि हम अनुमान लगाने की जुर्रत भी नहीं करते कि आखिर कितने डेयरी, कितने पॉल्ट्री व कितने बेकरी प्रॉडक्ट्स दूर दूसरे राज्यों से सुबह तक हमारे पास पहुंच रहे हैं। बेशक मिल्क फेडरेशन के कई अभिशीतन केंद्र या मिल्क प्लांट इस जद्दोजहद में हैं कि वे हमारे लिए उपयोगी साबित हों, लेकिन न मंडी, न शिमला और न ही कांगड़ा के मिल्क प्लांट जरूरत का एक चौथाई हिस्सा भी पूरा कर पाए। अब कांगड़ा के ढग्वार में 226 करोड़ की लागत से 'स्टेट ऑफ द आर्ट' दुग्ध प्रसंस्करण संयंत्र का प्रस्ताव आशा जगा रहा है। इससे पहले भी राष्ट्रीय डेयरी विकास कार्यक्रम के तहत हिमाचल ने इक्का दुक्का प्रयास जारी रखे, लेकिन उपभोक्ता की मांग का समाधान मिल्क फेडरेशन पूरी तरह नहीं निकाल पाई। मजबूरन सुबह की चाय और नाश्ते में ब्रेड, बटर और अंडे के लिए बाहर से आ रहे ट्रकों का इंतजार करना पड़ता है। ऐसे में सुक्खू सरकार कांगड़ा के मिल्क प्लांट के माध्यम से एक बड़ा सपना पाल रही है और यह कांग्रेस की गारंटी के तहत उत्पादक से उचित मूल्य पर दूध की खरीद का आश्वासन भी है। इस बहाने हिमाचल की योग्यता का पता चलेगा कि क्या राज्य अपने ब्रेकफास्ट की प्लेट सजा पाएगा। ब्रेकफॉस्ट के बहाने कांगड़ा टी को अपना रंग दिखाने, मिल्क फेडरेशन को दूध, मक्खन, पनीर व ब्रेड उत्पाद तक जौहर दिखाने और एचपीएमसी को तरह-तरह के जूस पिलाने का अवसर मिल रहा है। मिल्क फेडरेशन अपने विभिन्न उत्पाद इकाइयों के मार्फत बेकरी उत्पादन भी जोड़ ले तो दूध की ढुलाई में ही बिना अतिरिक्त व्यय के ये उत्पाद भी घर-घर पहुंच जाएंगे। इसी के साथ अगर दिवाली की मिठाई बाजार में उतार कर मिल्क फेडरेशन अपने ब्रांड को चमका रहा है, तो इसे साल भर के नेटवर्क में क्यों न देखा जाए और इसके लिए बाकायदा एक उत्पादन इकाई समर्पित की जाए। हिमाचल के कई विभाग, विश्वविद्यालय, निगम व फेडरेशन अपने-अपने तरीके से राज्य के उत्पादों में ब्रांड बनना चाहते हैं, लेकिन कोई समन्वित कार्य नहीं हो रहा। सत्तर के दशक में ही हिमाचल के जूस ने पूरे देश में अपनी धाक जमा ली थी, लेकिन अब एचपीएमसी ऐसे उद्देश्यों में फिसड्डी है। प्रदेश की पर्यटन मार्केट की आपूर्ति में एक चेन ऑफ प्रॉडक्ट्स संभव है और इस लिहाज से सारे राज्य में हिमाचली उत्पादों के मॉल स्थापित किए जाएं। हम अगर कायदे से शहद और कांगड़ा चाय को ही ब्रांड बनाएं, तो हर आने वाले के लिए शाल, स्कार्फ या टोपी के साथ-साथ इन्हें खरीदना भी जरूरी होगा।

पहले करियर कालेज बनाओ

हिमाचल में फिर एक उड़ान शिक्षा की ओर भरते हुए यह तय हो रहा है कि कुछ कालेजों को सुदृढ़ करके, एक्सीलेंस का दर्जा दिया जाए। इस मांग की आपूर्ति के लिए कालेज अपनी-अपनी विकास योजना तीस नवंबर तक पेश करेंगे। शिक्षा के क्षेत्र में कमोबेश हर सरकार ने बुर्जियां ढूंढ लीं, लेकिन करियर की खोज संतुष्ट नहीं हुई। यह वजह है कि हिमाचल के पास सरकारी क्षेत्र में ही 133 डिग्री कालेज हो गए, जबकि मेडिकल संस्थानों व विश्वविद्यालयों को जोड़ लिया जाए, तो यह राज्य पड़ोस व देश के सामने उच्च स्तर की आदर्श स्थिति पैदा कर देता है। गौर यह करना होगा कि प्रदेश की मेरिट सूची भाग कहां रही है। क्यों आज भी मेरिट में आने वाला छात्र हिमाचल में नहीं पढऩा चाहता या क्यों शिक्षा एक खोज की तरह अभिभावकों को चिंतातुर कर रही है। युवाओं की सफलता में चमकते करियर क्यों शिक्षा के हिमाचली ढर्रे को अप्रासंगिक मान लेते हैं। युवा हास्य कलाकार बनकर अपने करियर को हंसाना चाहते हैं, तो संगीतमय भविष्य में अपना नाम कमाना चाहते हैं। क्या हमने कभी सोचा कि परफार्मिंग आट्र्स का भी एक स्वतंत्र संस्थान हो सकता है। क्या हमने कभी सोचा कि नए रोजगार का गैर सरकारी क्षेत्र किस तरह के संचार कौशल का इच्छुक है। आश्चर्य यह कि भाषायी ज्ञान के प्रति न हमारे स्कूल और न ही कालेज बेहतर साबित हो रहे। हिंदी या इंग्लिश में संचार कौशल का वातावरण ही नहीं बना, जबकि हिमाचल के आम बोलचाल के करीब खड़ी पंजाबी व उर्दू जैसी भाषाओं को ही अछूत बना दिया गया।

साल भर में बंद कमरों के भीतर कवि सम्मेलनों का आयोजन करते कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग ने कभी सोचा ही नहीं कि छात्रों के भीतर सृजन की उमंग या भाषायी ज्ञान के लिए कुछ हट कर किया जाए। हिमाचल के कुल कालेजों में से मात्र दस ही अगर आट्र्स के बचे हैं, तो क्या इनमें से कोई आट्र्स का एक्सीलेंस कालेज बनेगा या केवल विज्ञान और कामर्स के महाविद्यालय ही उपयुक्त माने जाएंगे। आश्चर्य यह भी कि एक सौ तैंतीस कालेजों में से तैंतीस अगर स्नातकोत्तर हैं, तो फिर डिग्रियां बांटने और व्यक्तित्व विकास में अंतर कहां है। क्या शिमला, मंडी या धर्मशाला के विश्वविद्यालय महज औपचारिकता निभा रहे हैं या उच्च शिक्षा के उच्च मानदंड पैदा करने के लिए हर संस्थान स्नातकोत्तर नहीं हो सकता, बल्कि विश्वविद्यालयों के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र स्थापित करने होंगे। इस मामले में पंजाब विश्वविद्यालय के क्षेत्रीय अध्ययन केंद्रों से सीखा जा सकता है। हिमाचल में शिक्षा के मापतोल में राजनीति हावी रही है और इसीलिए शिक्षा के केंद्र या यूं कहें कि शिक्षा के हब अपंग हो गए। शिमला, मंडी, सोलन, धर्मशाला और हमीरपुर काफी हद तक हिमाचल में शिक्षा की परंपराओं का उल्लेखनीय वर्णन करते रहे, लेकिन केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रश्न पर राजनीति बेशर्मी पर उतर आई। आज भी धर्मशाला के जदरांगल परिसर पर सियासी उदासीनता स्पष्ट है।

जहां पहले फोरेस्ट क्लीयरेंस की अड़चनें संदेहास्पद रहीं और अब तीस करोड़ की अदायगी पर सुक्खू सरकार का दावा कमजोर होता दिखाई दे रहा है। धर्मशाला में डेढ़ दर्जन निजी पुस्तकालयों, दो दर्जन अकादमियों, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के चार दशक पुराने क्षेत्रीय अध्ययन केंद्र, सौ वर्षों के ऐतिहासिक महत्त्व के कालेज व खेल छात्रावास के कारण करीब पंद्रह हजार युवा अगर इसे करियर हब मान चुके हैं, तो केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना के प्रति दिखाई जा रही बेरुखी के लिए हर सरकार जिम्मेदार है। प्रदेश में बहुत पहले संजौली कालेज को एक्सीलेंस का दर्जा मिल चुका है, लेकिन क्या यह कालेज करियर कालेज बन पाया। हो सकता है कल इसी नाम के दस्तावेज दो-तीन दर्जन अन्य कालेजों को श्रेष्ठता का तमगा और इमारतों का विकास कर दें, लेकिन इससे करियर की वांछित गुणवत्ता दर्ज नहीं होगी। हमारे विचार से हर एक्सीलेंस कालेज को कम से कम एक विषय की राज्य स्तरीय मेरिट का स्थान बनना होगा। ऐसे में कोई कालेज इतिहास का सर्वश्रेष्ट कालेज होगा, तो कोई फिजीक्स का। कोई अर्थशास्त्र, तो कोई कामर्स का बेहतरीन कालेज होगा। इतना ही नहीं, प्रदेश में स्थापित स्पोट्र्स हॉस्टलों के समीपवर्ती कालेजों में खेल की पढ़ाई का अलग से विंग होना चाहिए, तो डिफेंस स्टडीज, मत्स्य अध्ययन, परफार्मिंग आट्र्स तथा विविध कलाओं से जुड़े उत्कृष्ट कालेज भी प्रतिष्ठित करने होंगे।

घड़गिट की आंख

एक समय की बात है, आर्यावर्त में जुमलोदी नाम का राजा राज करता था। उसे हर बात को लुभावने शब्दों में व्यक्त करने में महारत हासिल थी। वह हर बात को इस तरह जुमलों में ढालने में सिद्धहस्त था कि उसके राज्य में गाजे-बाजे के साथ आरम्भ होने वाली प्रत्येक नीति, कार्यक्रम और योजना नारों की शक्ल में मीडिया और हर चौक-चौराहे पर होर्डिंग्स पर टँगी नज़र आतीं। उसका चमकता चेहरा इन होर्डिंग्स पर सालों-साल दिखता रहता। लेकिन उसकी नीतियां, कार्यक्रम और योजनाएं क्रियान्वयन के ब्लैक होल में कहीं खो जाती थीं। लेकिन मोदिया चैनलों और अख़बारों में ये नारे सरकारी विज्ञापन की शक्ल में गूँजते और छपते रहते थे। पिछले कई सालों से ग्लोबल हंगर इंडेक्स में आर्यावर्त दुनिया के भुखमरी से त्रस्त राष्ट्रों में सबसे निचले पायदानों में शुमार होता आ रहा था। इसके बावजूद राजा ने अपने को चक्रवर्ती सम्राट साबित करने के लिए अश्वमेध यज्ञ के बाद घोड़ा छोडऩे की बजाए अपने लिए साढ़े आठ हज़ार करोड़ का जहाज़ ख़रीदने के बाद पूरी दुनिया के चक्कर काटना शुरू कर दिए। चूँकि विश्व के अधिकतर देशों में लोकतंत्र था, वहाँ अपने को चक्रवर्ती कहना या घोषित करना नामुमकिन था। इसलिए उसने अपने आपको प्रचार तंत्र के माध्यम से विश्व गुरू घोषित कर दिया था। देश में कई स्वनाम धर्माचारियों की तरह वह भी स्वघोषित विश्व गुरू था। हालांकि पाखंडी धर्मगुरुओं में अपने आपको जगद्गुरू घोषित करने या कहलाने की सदियों पुरानी परम्परा थी। पर राजनीति में जुमलोदी ने पहली बार अपने आपको विश्व गुरू घोषित कर नई परम्परा का सूत्रपात किया था। दोनों जगत की उपाधियाँ भले अलग-अलग थीं, लेकिन उनका आशय एक ही था। पाखंडी जगद्गुरू छाप-तिलक के साथ और विश्वगुरू विभिन्न परिधानों में साकार की उपासना करते हुए फोटो खिंचवाते थे। ध्यान की अवस्था में फोटो खिंचवाते हुए जगद्गुरू अपनी आँखें बंद रखते थे जबकि विश्वगुरू का सारा ध्यान कैमरे को दिए जाने वाले पोज़ पर केन्द्रित होता।

इसलिए उनके फोटो में उनकी एक आँख कैमरे की ओर खुली दिखती थी। कुल मिलाकर वह कैमरे के सामने आने का कोई भी मौक़ा नहीं चूकता था। जगद्गुरुओं के विपरीत राजा को बात-बेबात किसी भी समारोह में आँसू बहाने की विशेष आदत थी। भ्रष्टाचार के मामलों में फंस जाने पर अपने आपको विपक्ष के प्रोपेगैंडा का शिकार बताते हुए उसकी आवाज़ भर्रा जाती थी। वह किसी भी विषय पर बात करता हुआ रो सकता था और अपने अंधभक्तों को रुला सकता था। वह आम लोगों को सपने दिखाने में माहिर था और भविष्य की बात करता हुआ राजा बड़ी-बड़ी ऊँची फैंकता था। कभी वह बुलेट ट्रेन की बात करता तो कभी देश में स्मार्ट शहरों का शतक मारने की हाँकता। वह लोगों को एक हज़ार साल बाद देश को विश्व की सबसे बड़ी और ताक़तवर आर्थिकी बनाने के सपने दिखाता था। लेकिन विरोधाभास यह था कि जहाँ रोना होता वहाँ राजा चुप रहता और जहाँ चुप रहना होता, वहाँ रोता। इससे जनता में भ्रम की स्थिति बनी रहती। वह संसद में गंभीर विषयों पर चर्चा करते हुए हँसता था और सामान्य विषयों पर रो पड़ता। देश की समस्याओं पर विपक्ष द्वारा आलोचना पर वह अपने आपको बेचारा घोषित कर देता और उस पर देश विरोधी ताक़तों के साथ मिलकर देश को कमज़ोर करने के आरोप लगा देता। उसका एक-एक कपड़ा इतना महंगा होता था कि एक कपड़े की क़ीमत में एक मज़दूर आराम से अपनी पूरी ज़िन्दगी बसर कर सकता था। हालांकि देश में एक बार माननीय होने के बाद ताउम्र पेंशन की व्यवस्था थी। लेकिन उसमें अपने भविष्य को लेकर इतना भय और आशंका थी कि उसने अपने दो सेठ मित्रों के वैश्विक व्यापार में सरकारी धन का भारी-भरकम निवेश किया था। उसके दोहरा जीवन जीने के कारण उसके आलोचकों ने उसे घड़गिट की उपाधि से विभूषित किया था। सार्वजनिक स्थानों पर उसके बार-बार आँसू बहाने के कारण आलोचक उसे घडिय़ाल और परिस्थिति के हिसाब से कपड़े और रंग बदलने की वजह से गिरगिट कहते थे। दरअसल घडिय़ाल और गिरगिट के संयोजन से बना घड़गिट शब्द उसके व्यक्तित्व को सही अन्दाज़ में परिभाषित करता था।

पीए सिद्धार्थ

सस्ता हो गया कच्चा तेल, जानिए आपके शहर में क्या है एक लीटर पेट्रोल और डीजल की कीमत

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कल कच्चे तेल की कीमतों में हुई गिरावट के बाद आज एक बार फिर से तेल कंपनियों ने देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों को अपडेट करते हुए स्थिर रखा है। कल ग्लोबल मार्केट में कच्चे की कीमतों में 0.39 प्रतिशत की गिरावट हुई थी। तेल कंपनियों प्रतिदिन सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों को रिवाइज करती है।

नई दिल्ली: तेल कंपनियों ने एक बार फिर से आज सुबह 6 बजे पेट्रोल और डीजल की कीमतों को रिवाइज किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल के भाव में कल गिरावट देखने को मिली है जिसके बाद आज ईंधन की कीमतों में रिवाइज किया गया है।

आपको बता दें कि बीते दिन यानी 16 अक्टूबर को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कच्चे तेल की कीमतों में 0.39 फीसदी की गिरावट देखने को मिली है। कच्चा तेल 0.39 प्रतिशत गिरकर 90.54 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया था।

देश की मौजूदा तेल कंपनियों ने आज एक बार फिर से पेट्रोल और डीजल की कीमतों को स्थिर रखा है। चलिए जानते हैं आपके शहर में क्या है पेट्रोल और डीजल की कीमत।

राजधानी समेत अन्य बड़े शहरों में क्या है तेल की कीमत?

गुड रिटर्न वेबसाइट के मुताबिक आज पेट्रोल और डीजल की कीमतें इस प्रकार हैं:

नई दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चेन्नई में पेट्रोल 102.74 रुपये और डीजल 94.33 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

बेंगलुरु में पेट्रोल 101.94 रुपये और डीजल 87.89 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

देश के अन्य प्रमुख शहरों में क्या है तेल की कीमत?

नोएडा में पेट्रोल 96.76 रुपये और डीजल 89.93 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

गुरुग्राम में पेट्रोल 96.97 रुपये और डीजल 89.84 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

पटना में पेट्रोल 107.54 रुपये और डीजल 94.32 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

लखनऊ में पेट्रोल 96.57 रुपये और डीजल 89.76 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

जयपुर में पेट्रोल 108.48 रुपये और डीजल 93.72 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

हैदराबाद में पेट्रोल 109.66 रुपये और डीजल 97.82 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

चंडीगढ़ में पेट्रोल 96.20 रुपये और डीजल 84.26 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है।

पिछले 3 महीनों में बिकी 155 टन से ज्यादा ज्वेलरी

फेस्टिव सीजन में सोने की कम कीमत के चलते बढ़ी मांग

डब्ल्यूजीसी इंडिया के सीईओ सोमासुंदरम पीआर का कहना है कि पिछली तिमाही के दौरान सोने की कीमतों में मामूली नरमी रही है लेकिन अब इसका मूल्य बढ़ने लगा है। उनका कहना है कि धनतेरस पर्व और अगले दो महीने के शादियों के सीजन के दौरान सोने की मांग में इसके मूल्य की काफी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। आइए आंकड़ों के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। कीमतों में नरमी और त्योहारी सीजन के चलते कैलेंडर वर्ष 2023 की तीसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर 2023) के दौरान देश में सोने की मांग में 10 प्रतिशत की वृद्धि रही है। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) की ताजा रिपोर्ट के अनुसार, बीती तिमाही में देश में 210.2 टन सोने की मांग रही है। जुलाई-सितंबर 2022 के दौरान देश में 191.7 टन सोने की मांग रही थी।

डब्ल्यूजीसी की रिपोर्ट में हुआ ये खुलासा

डब्ल्यूजीसी इंडिया के सीईओ सोमासुंदरम पीआर का कहना है कि पिछली तिमाही के दौरान सोने की कीमतों में मामूली नरमी रही है, लेकिन अब इसका मूल्य बढ़ने लगा है। उनका कहना है कि धनतेरस पर्व और अगले दो महीने के शादियों के सीजन के दौरान सोने की मांग में इसके मूल्य की काफी महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। धनतेरस को कीमती धातुओं से लेकर बर्तनों और अन्य कीमती सामान खरीदने के लिए सबसे शुभ दिन माना जाता है।

व्यापारियों का पूर्वानुमान

व्यापारियों से मिली प्रतिक्रिया के अनुसार, उपभोक्ताओं ने 60 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम मूल्य को स्वीकार कर लिया है। ऐसे में इससे कम मूल्य रहने पर सोने की मांग में महत्वपूर्ण उछाल आ सकता है। सोमासुंदरम के अनुसार, बीती तिमाही में ज्वेलरी की मांग सात प्रतिशत बढ़कर 155.7 टन रही है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 146.2 टन थी। इसी प्रकार बार (छड़) और सिक्कों की मांग 20 प्रतिशत बढ़कर 54.5 टन रही है जो पिछले वर्ष समान अवधि में 45.4 टन थी।

क्या कहते हैं आंकड़े?

बीती तिमाही में बार और सिक्के में निवेश 2015 के बाद सबसे ज्यादा रहा है। जुलाई-सितंबर 2022 के दौरान सोने का आयात भी बढ़कर 220 टन रहा है, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 184.5 टन था। डब्ल्यूजीसी का कहना है कि बीती तिमाही में कम कैरेट (18 और 14 कैरेट) के आभूषण काफी लोकप्रिय रहे हैं और खुदरा विक्रेताओं द्वारा इन उच्च-मार्जिन वाले उत्पादों को बढ़ावा देने से लाभ हुआ है। सोमासुंदरम का कहना है कि यदि मूल्य में कोई वृद्धि नहीं होती है तो चौथी तिमाही यानी अक्टूबर-दिसंबर 2023 के दौरान भी मांग इसी स्तर पर बनी रहने की उम्मीद है।

इनसाइड

घर खर्च के साथ आप भी कर सकती हैं अच्छी खासी बचत, फॉलो करें ये आसान टिप्स

आज के समय कमाने के साथ-साथ सेविंग करना बहुत जरूरी है। अगर हम सही समय पर पैसे सेव नहीं करते हैं तो हमें भविष्य में काफी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आज हम कामकाजी महिला के साथ घरेलू महिलाओं को भी बताएंगे कि वो किस तरह ज्यादा से ज्यादा पैसे सेव कर सकती है।

नई दिल्ली। हर महिला कोशिश करती है कि वो ज्यादा से ज्यादा पैसे सेव करें। कई महिला पैसे सेव करने की कोशिश तो करती है पर उनसे पैसे सेव नहीं हो पाते हैं। अगर आप भी पैसे सेव करना चाहते हैं तो आज हम आपको कुछ ऐसी बातों के बारे में बताते जिसकी मदद से आप ज्यादा से ज्यादा पैसे सेव कर पाएंगे। हमारे पास जब एक लक्ष्य होता है तो हम ज्यादा से ज्यादा पैसे सेव कर पाते हैं। ऐसे में आप भी एक फाइनेंशियल गोल बना सकते हैं। यह गोल आपके रिटायरमेंट के बाद की इनकम का हो सकता है या फिर कहीं घूमने को लेकर भी हो सकता है। इसे ऐसे समझिए कि आपको लद्दाख जाना है तो आप उसके लिए अभी से पैसे सेव कर सकते हैं। आपको हर महीने का एक बजट बनाना चाहिए। जब देश की अर्थव्यवस्था को चलाने के लिए हमें बजट की आवश्यकता पड़ती है। ठीक उसी तरह घर के खर्चों को पूरा करने और पैसे की बचत करने के लिए भी बजट की जरूरत पड़ती है।

सोना-चांदी की कीमत में दर्ज हुई गिरावट, यहां चेक करें अपने शहर के नए रेट्स

त्योहारी सीजन पर सोना-चांदी खरीदने की तैयारी कर रहे हैं तो ये जानकारी आपके काम की हो सकती है। सोना-चांदी की नई कीमतें जारी हो गई है। मंगलवार के कारोबारी दिन वायदा बाजार में सोना और चांदी दोनों की ही कीमतों में गिरावट दर्ज हुई है। आप सोना-चांदी की खरीदारी से पहले अपने शहर के लेटेस्ट रेट्स चेक कर सकते हैं।

नईदिल्ली। त्योहारी सीजन पर सोना-चांदी खरीदने की तैयारी कर रहे हैं तो ये जानकारी आपके काम की हो सकती है। सोना-चांदी की नई कीमतें जारी हो गई है। मंगलवार के कारोबारी दिन सोना और चांदी की वायदा कीमतों में गिरावट दर्ज हुई है।

सोने की वायदा कीमत 20 रुपये गिरी

वायदा कारोबार में मंगलवार को सोने की कीमत 20 रुपये गिरकर 61,260 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज पर, दिसंबर डिलीवरी वाले सोने के अनुबंध की कीमत 20 रुपये या 0.03 प्रतिशत की गिरावट के साथ 61,260 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई।

इसमें 14,903 लॉट का कारोबार हुआ। वहीं वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में सोना 0.04 प्रतिशत बढ़कर 2,006.50 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था।

चांदी वायदा कीमत 355 रुपये गिरी

मंगलवार को चांदी वायदा कीमत 355 रुपये गिरकर 72,400 रुपये प्रति किलोग्राम रह गई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज में, दिसंबर डिलीवरी के लिए चांदी अनुबंध 355 रुपये या 0.49 प्रतिशत की गिरावट के साथ 72,400 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गया। इसमें 17,466 लॉट का कारोबार हुआ।

वहीं वैश्विक स्तर पर, न्यूयॉर्क में चांदी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23.31 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रही थी।

10 ग्राम 24 कैरेट सोने की क्या है कीमत

गुड रिटर्न के मुताबिक 24 कैरेट सोने के भाव-

दिल्ली में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,000 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 61,850 रुपये है।

कोलकाता में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 61,850 रुपये है।

चैन्नई में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,350 रुपये है।

बेंगलुरु में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 61,850 रुपये है।

हैदराबाद में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 61,850 रुपये है।

चंडीगढ़ में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,000 रुपये है।

जयपुर में 24 कैरेट, 10 ग्राम सोना 62,000 रुपये है।

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 61,900 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 62,000 रुपये है।

सितंबर में कोर सेक्टर ने दर्ज की 8.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी, वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने पेश किए आंकड़े

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस साल सितंबर में कच्चे तेल को छोड़ अन्य सभी के उत्पादन में सकारात्मक बढ़ोतरी रही जबकि कच्चे तेल के उत्पादन में पिछले साल सितंबर के मुकाबले 0.4 प्रतिशत की गिरावट रही। सितंबर में सबसे अधिक कोयले के उत्पादन में 16.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही। आइए सभी आंकड़ों के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। इस साल सितंबर माह में कोर सेक्टर के उत्पादन में पिछले साल सितंबर के मुकाबले 8.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। कोर सेक्टर की यह बढ़ोतरी दर पिछले चार महीनों में सबसे कम है। आइए, सभी आंकड़ों के बारे में जान लेते हैं।

कोर सेक्टर में हुई जबरदस्त बढ़ोतरी

इस साल अगस्त में कोर सेक्टर में पिछले साल अगस्त की तुलना में 12.5 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई थी तो इस साल के जून व जुलाई में कोर सेक्टर में क्रमशः 8.4 व 8.4 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई थी। कोर सेक्टर में कोयला, कच्चे तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, खाद, स्टील, सीमेंट व बिजली जैसे आठ प्रमुख क्षेत्र शामिल है।

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय ने पेश किए आंकड़े

वाणिज्य व उद्योग मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक इस साल सितंबर में कच्चे तेल को छोड़ अन्य सभी के उत्पादन में सकारात्मक बढ़ोतरी रही जबकि कच्चे तेल के उत्पादन में पिछले साल सितंबर के मुकाबले 0.4 प्रतिशत की गिरावट रही। सितंबर में सबसे अधिक कोयले के उत्पादन में 16.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही।

बिजली के उत्पादन में पिछले साल सितंबर के मुकाबले 9.3 प्रतिशत, स्टील में 9.6 प्रतिशत, प्राकृतिक गैस में 6.5 प्रतिशत, रिफाइनरी उत्पाद में 5.5 प्रतिशत, सीमेंट में 4.7 प्रतिशत तो खाद के उत्पादन में 4.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही।

क्या कहते हैं आंकड़े?

आंकड़ों के मुताबिक सिर्फ कोयले के उत्पादन में पिछले तीन महीनों से लगातार दहाई अंक में बढ़ोतरी हो रही है। चालू वित्त वर्ष 2023-24 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में कोर सेक्टर में पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि की तुलना में 7.8 प्रतिशत की बढ़ोतरी रही।

5 दिन ऑफिस आने का खत्म हो जाएगा ट्रेंड, हाइब्रिड ही होगा देश का भविष्यः हर्ष गोयनका

इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने हाल ही में देश में प्रोडक्टिविटी बढ़ाने को लेकर हफ्ते में 70 घंटे काम करने की बात कही थी। इसी कड़ी में नारायण मूर्ति के इस बयान पर आरपीजी एंटरप्राइजेज (RPG Enterprises) के चेयरमैन हर्ष गोयनका (Harsh Goenka) की प्रतिक्रिया सामने आई है। उन्होंने नारायण मूर्ति के इस बयान के उलट अपनी बात रखी है।

नई दिल्ली। इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने हाल ही में देश में प्रोडक्टिविटी बढ़ाने को लेकर हफ्ते में 70 घंटे काम करने की बात कही थी। इसी कड़ी में नारायण मूर्ति के इस बयान पर आरपीजी एंटरप्राइजेज (RPG Enterprises) के चेयरमैन हर्ष गोयनका (Harsh Goenka) की प्रतिक्रिया सामने आई है।

हर्ष गोयनका ने रखी अपनी बात

हर्ष गोयनका ने अपने एक्स हैंडल से एक पोस्ट में नारायण मूर्ति के इस बयान के उलट अपनी बात रखी है।

वे अपने लेटेस्ट पोस्ट के साथ लिखते हैं कि हाइब्रिड वर्क ही देश का वर्तमान और भविष्य होगा। इतना ही नहीं, 5 दिन ऑफिस आने का ट्रेंड भी समय के साथ पूरी तरह से खत्म हो जाएगा।

नया ट्रेंड होगा गेम चेंजर

गोयनका अपने पोस्ट में लिखते हैं कि वर्तमान में लोग अपने काम का 33 प्रतिशत समय रिमोटली यानी बिना ऑफिस आए ही कर रहे हैं। 5 दिन ऑफिस आने का ट्रेंड खत्म हो गया है और यह गेम चेंजर साबित होगा।

काम में लचीलापन उतना ही जरूरी है जितना कि 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी। हम जिस चीज को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं वह काम में लचीलापन और रोजाना ऑफिस आने को स्किप करना है।

रोजाना ऑफिस न आकर हाइब्रिड ही सही

वे अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए कहते हैं कि ऑफिस और रिमोट वर्क के साथ हाइब्रिड का तरीका ही वर्तमान और भविष्य है। 50 से 70 घंटे काम करना आपकी खुद की महत्वाकांक्षाओं और उद्देश्यों को लेकर ही हो सकता है। बदलाव को स्वीकार करें, काम के नए तरीके को अपनाएं। ऑफिस और घर के बीच पसंदीदा जगह को खोजें। आपके कामकाजी जीवन में वास्तव में क्या मायने रखता है। यह उन चीजों को प्राथमिकता देने का समय है।

> काम में लचीलापन उतना ही जरूरी है जितना कि 8 प्रतिशत की बढ़ोतरी। हम जिस चीज को सबसे ज्यादा महत्व देते हैं वह काम में लचीलापन और रोजाना ऑफिस आने को स्किप करना है।

नारायण मूर्ती ने कही थी ये बात

दरअसल, नारायण मूर्ति ने कहा था कि भारत की प्रोडक्टिविटी दुनिया में सबसे कम है। दूसरे देशों से प्रतिस्पर्धा के लिए भारत को खुद में सुधार करने की जरूरत है। भारत में लोगों को 50 से 70 घंटों तक काम करने की जरूरत है, इसी के साथ देश का विकास हो सकता है।

ओडिशा के नए राज्यपाल रघुबर दास ने शपथ ली

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भुबानेश्वर। ओडिशा के नये राज्यपाल ने ली शपथ. रघुबर दास ने 26वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली. हाईकोर्ट के कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई है.शपथ लेने से पहले नये राज्यपाल रघुवर दास ने श्री लिंगराज से मुलाकात की और उनका आशीर्वाद लिया.

इसके बाद 11.45 बजे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया गया. रघुबर ने ओडिशा के 26वें राज्यपाल के रूप में शपथ ली।

इससे पहले कल नवनियुक्त राज्यपाल रघुवर दास राजभवन पहुंचे. राजमहल में राज्यपाल समेत 80 से ज्यादा मेहमान आए हैं. मुख्यमंत्री नवीन पटनायक और विधानसभा अध्यक्ष प्रमिला मल्लिक ने राज्यपाल का स्वागत किया. राजभवन में सभी को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया. इससे पहले नये राज्यपाल ने पुरी जाकर भगवान से मुलाकात की. नए गवर्नर को प्रोटोकॉल के तहत Z+ सुरक्षा दी गई है.

भगवान के दर्शन के बाद नवनियुक्त राज्यपाल रघुवर दास ने मीडिया को जवाब दिया है. रघुवर ने कहा कि ओडिशा के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी. उन्होंने यह भी कहा, "मैं बहुत भाग्यशाली हूं कि मैंने ओडिशा के लोगों की सेवा की।" गरीबों, शोषितों और वंचितों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने का प्रयास किया जायेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र और राज्य की योजनाओं को गरीबों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी लेंगे.

एक महान सेवक के रूप में मैं गरीबों तक पहुंचने की जिम्मेदारी लूंगा।' गरीब लोगों के लिए राजभवन के दरवाजे 24 घंटे खुले रहेंगे, यह बात नवनियुक्त राज्यपाल रघुवर दास ने मीडिया के सामने कही.

रघुबर दास झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री थे। वह पांच बार झारखंड विधानसभा के लिए चुने गये। वह झारखंड के उपमुख्यमंत्री बने और बाद में मुख्यमंत्री बने। 3 मई 1955 को जन्मे रघुबर वलूबासा ने हरिजन हाई स्कूल से मैट्रिक और जमशेदपुर को-ऑपरेटिव कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई पूरी की। बाद में कानून में स्नातक की डिग्री पूरी करने के बाद वह टाटा कंपनी में शामिल हो गए। 1977 में जनता पार्टी में शामिल हुए और बाद में 1980 में बीजेपी के संस्थापक सदस्य बने। 1995 में जमशेदपुर पूर्वी विधानसभा सीट से विधानसभा के लिए चुने गए। रघुबर दास झारखंड के पहले गैर-आदिवासी मुख्यमंत्री बने। रघुबर दास 2014 से 2019 तक झारखंड के मुख्यमंत्री थे।

अनुच्छेद 20-22 को अधिकारातीत घोषित करने की मांग वाली याचिका पर 'सुप्रीम' फटकार; कोर्ट ने मांगा जवाब

इस मामले में शीर्ष अदालत ने तीनों वकीलों को एक हलफनामा दायर कर यह बताने का निर्देश दिया है कि उन्होंने किन परिस्थितियों में अदालत के समक्ष ऐसी याचिका दायर की।

सुप्रीम कोर्ट ने अनुच्छेद 20 और 22 को (अल्ट्रा वायर्स) संविधान का उल्लंघन करने वाला घोषित करने की मांग वाली याचिका का मसौदा तैयार करने और उसे दाखिल करने को लेकर तीन वकीलों को फटकार लगाई है। न्यायमूर्ति संजय किशन कौल की अध्यक्षता वाली तीन-न्यायाधीशों की पीठ ने कहा कि शीर्ष अदालत में एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड (एओआर) रखने का उद्देश्य यह है कि याचिकाओं की प्रारंभिक जांच हो। इसमें कहा गया है कि एओआर पदनाम केवल याचिकाओं पर हस्ताक्षर करने वाला प्राधिकारी नहीं होना चाहिए। बता दें कि इस पीठ में न्यायमूर्ति सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति पीके मिश्रा भी शामिल हैं। जस्टिस संजय किशन कौल की तीन सदस्यीय पीठ ने कहा, शीर्ष अदालत में एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड (एओआर) रखने का उद्देश्य यह है कि याचिकाओं की प्रारंभिक जांच हो। इसमें कहा गया है कि एओआर पदनाम केवल याचिकाओं पर हस्ताक्षर करने वाला प्राधिकारी नहीं होना चाहिए। कोई बस उठकर आ जाता है, आप अपनी फीस जमा कराते हैं और याचिका दायर कर देते हैं। यह स्वीकार्य नही है। आपके बार लाइसेंस रद्द किये जाने चाहिए। संविधान के अनुच्छेद 32 के तहत ऐसी याचिका कैसे दायर की जा सकती है? पीठ ने पूछा, एडवोकेट ऑन रिकॉर्ड और मसौदा तैयार करने वाले वकील कौन हैं, उन्होंने इस पर हस्ताक्षर कैसे किए?

राज्योत्सव पुरस्कार के लिए चुने गए इसरो प्रमुख समेत 68 लोग, एक नवंबर को किया जाएगा सम्मानित

कर्नाटक सरकार का राज्योत्सव पुरस्कार इस साल इसरो प्रमुख एस सोमनाथ समेत 68 लोगों को प्रदान किया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा प्रति वर्ष दिया जाने वाला यह दूसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार माना जाता है।

कर्नाटक सरकार का राज्योत्सव पुरस्कार इस साल इसरो प्रमुख एस सोमनाथ समेत 68 लोगों को प्रदान किया जाएगा। विभिन्न क्षेत्रों में उनकी सराहनीय सेवा के लिए यह पुरस्कार दिया जाएगा। राज्य सरकार द्वारा प्रति वर्ष दिया जाने वाला यह दूसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार माना जाता है। इसे एक नवंबर को राज्य के स्थापना दिवस के मौके पर दिया जाएगा। कन्नड़ और संस्कृति मंत्री शिवराज तंगदागी ने इसकी घोषणा की है। उन्होंने बताया कि मैसुरु राज्य का नाम बदलकर कर्नाटक करने की स्वर्ण जयंती के मौके पर 'कर्नाटक संभ्रम' उत्सव के मौक पर 68 राज्योत्सव पुरस्कारों के अलावा विभिन्न संगठनों के विजेताओं को दस पुरस्कार देने का फैसला गया है।

उन्होंने कहा कि पुरस्कार विजेताओं का चयन करते समय हर जिले को प्रतिनिधित्व दिया गया है। पुरस्कार पाने वालों में 13 महिलाएं, 54 पुरुष और एक ट्रांसजेंडर शामिल हैं। इसके अलावा दो शताब्दियों के लोग भी सूची का हिस्सा हैं। पुरस्कार विजेताओं को पांच लाख रुपये नकद और 25 ग्राम का स्वर्ण पदक प्रदान किया जाएगा। इस वर्ष पुरस्कार पाने वालों में प्रसिद्ध थिएटर कलाकार चिदंबरम राव जाम्बे, यक्षगान गायिका लीलावती बैपादित्या, अभिनेता 'बैंक' जनार्दन और डिंगरी नागराज, साहित्य के प्रोफेसर सी नागन्ना और सुब्बू होलेयार और पत्रकार दिनेश अमीन मट्टू और माया शर्मा शामिल हैं। बंगलुरु की माइथिक सोसाइटी और शिवमोग्गा में कर्नाटक संघ उन संगठनों में से हैं जिन्हें पुरस्कार मिला है।

छठ पूजा पर ड्राई डे घोषित करने की मांग

नई दिल्ली। बिहार विकास मंच के अध्यक्ष बिरेन्द्र कुमार चतुर्वेदी ने बिहार वासियों के महापर्व छठ पूजा पर 19 नवम्बर, 2023 को शराब की दुकान बन्द करने (ड्राई डे) घोषित करने की माँग दिल्ली के मुख्यमंत्री श्री अरविन्द केजरीवाल से करते हुए कहा कि यदि बिहार एवं पूर्वाचंल के महापर्व छठ पूजा पर ड्राई डे घोषित करें ताकि लोग अपना महापर्व सही तरीके से मना सकें। महासचिव डॉ. नम्रता शाही ने कहा कि अरविन्द केजरीवाल सिर्फ दिखावटी बिहार वासियों के हमददर्घ न बनें। ड्राई डे घोषित करके हमदर्दी दिखायें। रूचि पाण्डेय ने कहा कि यदि तीन दिन के अन्दर यदि ड्राई डे घोषित करने की मांग पूरा नहीं करेंगे केजरीवाल तो पूरी दिल्ली में आम आदमी पार्टी और केजरीवाल का विराध किया जायेगा ।

इन्दिरा गांधी की पुण्यतिथि पर फल वितरण

नई दिल्ली। भारत रत्न पूर्व प्रधान मंत्री लेडी आर्यन श्रीमति इन्दिरा गाँधी जी की पुण्य तिथि पर युवा कांग्रेस नेता विरेन्द्र कुमार चतुर्वेदी के द्वारा पश्चिमी दिल्ली के गुरू गोविन्द सिंह अस्पताल में मरीजों को फल वितरण किया गया । चतुर्वेदी ने कहा कि गरीबों की मसीहा एवं हरित क्रान्ति की जन्मदाता तथा पाकिस्तान को दो टुकड़े करने वाली श्रीमती गाँधी एक निडर एवं साहसी नेता थीं। वे देशवासियों को एक सूत्र में बांधने का काम किया और देशवासियों के कल्याण के लिए हमेशा कार्य किया ।इस अवसर पर डॉ. नम्रता शाही, रूचि पाण्डेय, उत्पाल सिंह, पल्लवी बिजेन्द्र, रसपाल सिंह आदि मौजूद थे। सभी ने श्रीमति गाँधी को याद किया और उनके द्वारा किये गये कार्यो की सराहना की।

सनातन विरोधी बयान के मामले में उदयनिधि बोले- सबूत देना याचिकाकर्ता का काम, मेरा नहीं

सनातन विरोधी टिप्पणी पर उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ दायर अधिकार वारंटो की रिट पर न्यायमूर्ति अनीता सुमंत ने सुनवाई की। स्टालिन के कहा,साक्ष्य उपलब्ध कराने का दायित्व याचिकाकर्ता पर होना चाहिए मुझ पर नहीं।

सनातन विरोधी टिप्पणी को लेकर उदयनिधि स्टालिन की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही है। उदयनिधि स्टालिन के खिलाफ दायर अधिकार वारंटो की रिट पर न्यायमूर्ति अनीता सुमंत ने सुनवाई की। इस दौरान उदयनिधि के वकील पी विल्सन ने मौखिक रुप से दलीलें दी। उन्होंने कहा, उदयनिधि कहते हैं कि साक्ष्य उपलब्ध कराने का दायित्व याचिकाकर्ता पर होना चाहिए मुझ पर नहीं।

तमिलनाडु के मंत्री उदयनिधि स्टालिन ने मंगलवार को मद्रास उच्च न्यायालय के समक्ष कहा, जिस याचिकाकर्ता ने उनकी कथित सनातन धर्म विरोधी टिप्पणियों पर उनके खिलाफ शिकायत दर्ज की है, उन्हें संबंधित साक्ष्य पेश करना चाहिए। उसे उसके संवैधानिक अधिकार के विरुद्ध कुछ भी करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता। विल्सन ने तर्क दिया कि मामले की कार्यवाही को भाजपा के राज्य अध्यक्ष के अन्नामलाई सहित भाजपा के सदस्यों द्वारा अपने सोशल मीडिया पर गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा, याचिका दायर करने के बाद आवश्यक साक्ष्य दाखिल करना याचिकाकर्ता का कर्तव्य था और ऐसा करने में विफल रहने पर याचिका खारिज कर दी जानी चाहिए। विल्सन ने कहा, अदालत प्रतिवादी उदयनिधि स्टालिन के संवैधानिक अधिकार के खिलाफ कुछ भी करने के लिए मजबूर नहीं कर सकती। विल्सन और महाधिवक्ता आर शनमुघसुंदरम द्वारा याचिकाकर्ता द्वारा दायर आवेदन पर जवाबी हलफनामा दायर करने के लिए समय मांगने के बाद न्यायाधीश ने मामले की सुनवाई 7 नवंबर तक टाल दी है।

राजस्थान: कांग्रेस की चौथी सूची में पुराने विधायकों पर दांव, गौरव वल्लभ को टिकट; मंत्री धारीवाल का नाम नहीं

परिवहन विशेष न्यूज

कांग्रेस ने पायलट गुट के विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा का टिकट काट दिया गया है, जबकि नसीराबाद से शिवप्रकाश गुर्जर नए चेहरे को उतारा गया है। बीकानेर पूर्व से यशपाल गहलोत, पीलीबंगा से विनोद गोठवाल, श्रीमाधापुर से दीपेंद्र सिंह शेखावत, रानीवाड़ा से रतन देवासी, खंडेला से महादेव सिंह को चुनाव मैदान में उतारा गया है।

नई दिल्ली। कई दौर की बैठकों के बाद कांग्रेस पार्टी ने अपनी चौथी सूची जारी कर दी है। पार्टी ने इस लिस्ट 56 उम्मीदवारों के नाम घोषित किए है। इसमें भी पार्टी ने अधिकतर पुराने विधायकों को ही फिर चुनावी रण में उतारा है। 200 विधानसभा सीटों में से अब तक 151 सीटों के प्रत्याशी घोषित हो चुके है। अब 49 सीटों की घोषणा बाकी है। पार्टी की इस लिस्ट में भी मंत्री शांति धारीवाल, महेश जोशी और धर्मेंद्र राठौड़ का नाम नहीं है। कांग्रेस ने उदयपुर से राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव वल्लभ को उम्मीदवार बनाया है, जबकि पूर्व विदेश मंत्री और भाजपा के दिवंगत नेता जसवंत सिंह के बेटे मानवेंद्र सिंह को सिवाना से टिकट दिया गया। यह टिकट राहुल गांधी के कोटे का माना जा रहा है।

कांग्रेस ने पायलट गुट के विधायक खिलाड़ी लाल बैरवा का टिकट काट दिया गया है, जबकि नसीराबाद से शिवप्रकाश गुर्जर नए चेहरे को उतारा गया है। बीकानेर पूर्व से यशपाल गहलोत, पीलीबंगा से विनोद गोठवाल, श्रीमाधापुर से दीपेंद्र सिंह शेखावत, रानीवाड़ा से रतन देवासी, खंडेला से महादेव सिंह को चुनाव मैदान में उतारा गया है।

कांग्रेस ने मांडल से एक बार फिर राजस्व मंत्री रामलाल जाट को चुनाव मैदान में उतारा है। बूंदी से हरिमोहन शर्मा के नाम पर मुहर लगाई गई है। तिजारा से इमरान खान को टिकट दिया गया है। कुछ दिन पहले ही उन्हें बसपा ने अपना प्रत्याशी घोषित किया था। उनका मुकाबला भाजपा के बाबा बालकनाथ से होगा। इमरान तिजारा इलाके में मजबूत चेहरा हैं, जबकि वरिष्ठ नेता दुर्रुमियां का टिकट काट दिया गया है।

पार्टी ने कुंभलगढ़ से गणेश परमार के पुत्र योगेश को टिकट दिया है। पाली की बाली विधानसभा सीट से

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के करीबी पाली के पूर्व सांसद बद्रीराम जाखड़ को कांग्रेस का टिकट दिया गया है। वे लोकसभा के पिछले दो चुनाव हार चुके हैं, जबकि दूसरे बद्री को बड़ी सादड़ी मौका दिया गया है। कांग्रेस ने गंगानगर से निर्दलीय विधायक राजकुमार गौड़ का टिकट काट दिया है, जबकि सुरेंद्र गोयल को जैतारण से मैदान में उतारा गया है।

झुंझुनू में कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी की रैली में कांग्रेस में शामिल हुए विकास चौधरी को अजमेर के किशनगढ़ विधानसभा क्षेत्र से टिकट दे दिया गया है। उनको टिकट देने के खिलाफ दिल्ली में कांग्रेस जनों ने प्रदर्शन भी किया था। विकास चौधरी पिछले चुनाव में किशनगढ़ से बीजेपी के प्रत्याशी थे।

श्रीमाधोपुर से कांग्रेस ने एक बार फिर पूर्व विधानसभा अध्यक्ष दीपेंद्र सिंह शेखावत पर ही भरोसा जताया है। शेखावत इस बार अपने पुत्र को टिकट दिलाने के लिए प्रयास कर रहे थे। पिछले दो चुनाव हार चुके जाकिर हुसैन गैसावत को कांग्रेस ने फिर से मकराना से अपना प्रत्याशी बनाया है। उनका मुकाबला यहां बीजेपी की सुमिता भींचर से होगा।

मेरी माटी-मेरा देश: अमृत कलश यात्रा का समापन समारोह पीएम मोदी ने लगाया माटी का तिलक, पढ़ें संबोधन की बड़ी बातें

प्रधानमंत्री मोदी ने वर्चुअली 'मेरा युवा भारत पोर्टल' लॉन्च किया। उन्होंने अमृत महोत्सव स्मारक और अमृत वाटिका का शिलान्यास भी किया।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मेरी माटी मेरा देश-अमृत कलश यात्रा के समापन समारोह में भाग लिया। इससे पहले प्रधानमंत्री ने एक डिजिटल प्रदर्शनी देखी। उन्होंने युवाओं के लिए मेरा युवा भारत (एमवाई भारत) मंच की शुरुआत की और अमृत महोत्सव स्मारक एवं अमृत वाटिका का वर्चुअली शिलान्यास किया। उन्होंने अमृत महोत्सव के दौरान हासिल की गई सफलताओं- चंद्र मिशन, वंदे भारत ट्रेन, देश के विश्व की 5वीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने के बारे में बात की।

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने कहा कि आज लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर कर्तव्य पथ एक ऐतिहासिक महायज्ञ का साक्षी बन रहा है। 12 मार्च 2021 को गांधी जी की प्ररेणा से साबरमती आश्रम से शुरू हुआ आजादी का अमृत महोत्सव अब 31 अक्तूबर 2023 आज सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती पर समापन का पल है। आज ये हुजूम एक नया इतिहास बन गया। जैसे दांडी यात्रा शुरू होने के बाद देशवासी उससे जुड़ते गए, वैसे ही आजादी के अमृत महोत्सव ने जनभागीदारी का ऐसा हुजूम देखा कि नया इतिहास बन गया। 75 साल की ये यात्रा समृद्ध भारत के सपने को साकार करने वाला कालखंड बन रहा है। उन्होंने कहा कि आज मेरा युवा भारत संगठन, यानी MY Bharat की नींव रखी गई है। 21वीं सदी में राष्ट्र निर्माण के लिए मेरा युवा भारत संगठन, बहुत बड़ी भूमिका निभाने वाला है। भारत के युवा कैसे संगठित होकर हर लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं, इसका प्रत्यक्ष उदाहरण 'मेरी माटी मेरा देश' अभियान है। 'मेरी माटी, मेरा देश' अभियान में गांव-गांव, गली-गली से देश के युवा जुड़े।

स्मारक आने वाली पीढ़ियों को हमेशा इस ऐतिहासिक आयोजन की याद दिलाएगा

उन्होंने कहा कि इस महोत्सव का मेरी माटी मेरा देश अभियान के साथ समापन हो रहा है। आज आजादी का अमृत महोत्सव एक याद के लिए स्मारक का शिलान्यास भी हुआ है। ये स्मारक आने वाली पीढ़ियों को हमेशा इस ऐतिहासिक आयोजन की याद दिलाएगा।

'जन-जन को हम जा के जगाएंगे, सौगंध मुझे इस मिट्टी की, हम भारत भव्य बनाएंगे'

पीएम मोदी ने कहा कि बड़ी-बड़ी महान सभ्यताएं समाप्त हो गईं, लेकिन भारत की मिट्टी में वो चेतना है जिसने इस राष्ट्र को अनादिकाल से आज तक बचा कर रखा है। ये वो माटी है, जो देश के कोने-कोने से, आत्मीयता और अध्यात्म, हर प्रकार से हमारी आत्मा को जोड़ती है। किसान हों, वीर जवान हों, किसका खून-पसीना इसमें नहीं मिला है। इसी माटी के लिए कहा गया है- चंदन है इस देश की माटी, तपोभूमि हर ग्राम है। माटी स्वरूप इस चंदन को अपने सिर माथे पर लगाने के लिए हमसब लालायित रहते हैं। जो माटी का कर्ज चुका दे, वही जिंदगानी है! जो अमृत कलश यहां आए हैं, इनके भीतर मिट्टी के हर कण अनमोल हैं। देश के हर घर-आंगन से जो मिट्टी यहां पहुंची है, वो हमें कर्तव्य भाव की याद दिलाती रहेगी। ये मिट्टी, हमें विकसित भारत के अपने संकल्प की सिद्धि के लिए और अधिक परिश्रम के लिए प्रेरित करेगी। आज हम संकल्प लेते हैं- जन-जन को हम जा के जगाएंगे, सौगंध मुझे इस मिट्टी की, हम भारत भव्य बनाएंगे।

'अमृत वाटिका' आने वाली पीढ़ियों को 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की प्रेरणा देगी

उन्होंने कहा कि देशभर से जो पौधे आए हैं, उनसे यहां एक अमृत वाटिका बनाई जा रही है। इसका शिलान्यास भी अभी यहां हुआ है। ये 'अमृत वाटिका' आने वाली पीढ़ियों को 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की प्रेरणा देगी।

अमृत महोत्सव को पूरे देश ने जन-जन का उत्सव बना दिया

पीएम मोदी ने कहा कि अमृत महोत्सव ने एक प्रकार से इतिहास के छूटे हुए पृष्ठ को भविष्य की पीढ़ियों के लिए जोड़ दिया है। अमृत महोत्सव को पूरे देश ने जन-जन का उत्सव बना दिया था। हर घर तिरंगा अभियान की सफलता, हर भारतीय की सफलता है। देश के करोड़ों परिवारों को पहली बार ये ऐहसास हुआ है कि उनके परिवार का, उनके गांव का भी आजादी में सक्रिय योगदान था। उसका जिक्र भले ही इतिहास की किताबों में नहीं हुआ, लेकिन अब वो गांव-गांव में बनी स्मारकों में, शिलालेखों में हमेशा के लिए अंकित हो चुका है।

भारत की उपलब्धियों का जिक्र किया

उन्होंने कहा कि जब नीयत नेक हो, राष्ट्र प्रथम की भावना सर्वोपरि हो तो नतीजे भी उत्तम से उत्तम मिलते हैं। इस अमृत महोत्सव के दौरान भारत ने ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की है। हमें सदी के सबसे बड़े संकट कोरोना काल का सफलतापूर्वक मुकाबला किया। इसी दौरान हमने विकसित भारत का रोडमैप बनाया। भारत, दुनिया की सबसे बड़ी पांचवीं अर्थव्यवस्था बना। चंद्रयान-3 की सफल लैंडिंग हुई। इस अमृत महोत्सव के दौरान कई बड़े अभूतपूर्व कार्य हुए। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान देश ने राजपथ से कर्तव्य पथ तक का सफर भी तय कर लिया है। हमने गुलामी के भी अनेक प्रतीकों को हटाया।

'हमने आने वाली पीढ़ी से जो वादे किए, उसे हमें पूरा करना ही होगा'

उन्होंने कहा कि अमृत महोत्सव के समापन के साथ ही आज मेरा युवा भारत संगठन, MY भारत इसका शुभारंभ हो रहा है। मेरा युवा भारत संगठन, MY भारत, भारत की युवा शक्ति का उद्घोष है। ये देश के हर युवा को, एक मंच, एक प्लेटफॉर्म पर लाने का बहुत बड़ा माध्यम बनेगा। जब देश आजादी के 100 साल मनाएगा, तब तक भारत को विकसित देश बनाना है। आजादी के 100 साल पूरे होने पर देश इस विशेष दिवस को याद करेगा। हमने जो संकल्प लिया, हमने आने वाली पीढ़ी से जो वादे किए, उसे हमें पूरा करना ही होगा। इसलिए हमें अपने प्रयास तेज करने हैं।

अमित शाह ने कही यह बात

समापन समारोह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि आज देश भर से जो पवित्र मिट्टी आई है वह अमृत वन में परिवर्तित होगी। यह कलश 25 साल तक हमें महान भारत की रचना की प्रेरणा देता रहेगा।

जी. किशन रेड्डी ने क्या कहा?

केंद्रीय मंत्री जी. किशन रेड्डी ने कहा कि इस अभियान में भारत के लगभग 6 लाख गांवों से और करोड़ों घरों से अमृत कलश में मिट्टी या चावल का संग्रह किया गया है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com
(इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code : DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023